पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-04-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-27 | अंक-21 | भीलवाड़ा/ 22 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ- 16+6 = 22 | मूल्य : 25 रुपए

नए वित्त वर्ष में कारोबार अच्छा रहने की संभावना

मिलों द्वारा बुकिंग की तैयारी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में वित्त वर्ष का अंत होने और वैवाहिक मांग के अभाव में गत पखवाड़े के दौरान कारोबार कमजोर रहा, लेकिन नए वित्त वर्ष में अच्छा कामकाज निकलने का व्यापारियों को इंतजार है। जानकारों का कहना है कि लगभग पूरे मार्च में कपड़ा बाजार में कारोबार कमजोर रहा, क्योंकि जहाँ एक वित्त वर्ष का अंतिम महीना होने के कारण खाताबंदी का दबाव था, वहीं होली का त्योहार होने से भी मांग सीमित बनी रही। बाजार में धन की तंगी बनी हुई है तथा व्यापारियों का मानना है कि अब इसमें सुधार की कोई संभावना भी नजर नहीं आ रही है। बाजार में पैसे की वापसी लम्बी खिंचती जा रही है।

जानकारों के अनुसार अब जुलाई तक वैवाहिक सीजन है और इसे देखते हुए आगामी महीनों में कारोबार में सुधार की काफी संभावना नजर आ रही है। हालांकि उपभोक्ताओं के बदलते रूझान के कारण सिंथेटिक सूटिंग में कारोबार कमजोर ही रहने का अनुमान है। आलोच्य पखवाड़े के कारण सिंथेटिक सूटिंग-शर्टिंग में कारोबार कमजोर बना रहा, जबकि यूनिफॉर्म के लिए भीलवाड़ा सूटिंग की मांग रही। वैवाहिक साड़ियों और लहंगा-चुनरी, लेडीज सूट आदि में सीमित पूछ-परख तथा कॉटन आयटमों की अच्छी मांग रही है। व्यापारियों का कहना है कि सिंथेटिक सूटिंग में कारोबार कमजोर रहा है और उसका एक कारण वैवाहिक सीजन के दौरान एथनिक परिधानों का चलन बढ़ना है। शादी-विवाह या उत्सव और अवसरों पर अब कुर्ता-पायजामा का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है, इससे ट्राउजर की मांग प्रभावित हुई है। बहरहाल, सूटिंग में सीमित पूछ-परख बनी रहीं तथा कुछ मिलों और थोक व्यापारियों ने आगामी सीजन के लिए कॉन्फ्रेंस आदि की सूचना थोक व खुदरा व्यापारियों को देनी आरंभ कर दी है। थोक व्यापारी भी अपने स्तर पर बुकिंग की सूचना दे रहे हैं। रेमण्ड, सियाराम, ग्राडो, डोनियर, रीड एण्ड टेलर, दिग्जाम और अन्य मिलों के माल की सीमित आवक हो रही है।

शेषांश पृष्ठ 10 पर...

भीलवाड़ा टेक्सटाइल मण्डी में गारमेण्ट सेक्टर में विकास की काफी संभावनाएँ -मंत्री गिरिराज सिंह

केंद्रीय वस्त्र मंत्री बोले देश में कपड़े का 40 बिलियन डॉलर का मार्केट

भीलवाड़ा/कमलेश व्यास

भीलवाड़ा ग्रोथ सेंटर - भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के बहुउद्देशीय भवन के उद्घाटन सत्र के दौरान उद्यमियों को संबोधित करते हुऐ वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार की नाकामी के कारण भीलवाड़ा को पीएम मित्रा योजना में टेक्सटाइल पार्क नहीं मिल पाया है। अब हमारी सरकार भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क को लेकर सकारात्मक सोच से कार्य कर रही है, क्योंकि देश में सात टेक्सटाइल पार्क अभी मंजूर हैं और आठवां भीलवाड़ा को ही मिले, ऐसा प्रयास है भीलवाड़ा टेक्सटाइल इंडस्ट्री के 25 हजार करोड़ रूपए के टर्नओवर के कारण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 1 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है और पूरे देश में कपड़े का 40 बिलियन डॉलर का मार्केट है, जिसमें साढ़े चार करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है जो कृषि के बाद द्वितीय स्थान पर है। मंत्री महोदय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक 6 करोड़ लोगों को रोजगार पहुँचाएंगे। राजस्थान में देश की सबसे महंगी बिजली के बारे में बताया कि इस क्षेत्र में सरकार के पास वन नेशन वन टैरिफ का सुझाव आया है, जिसके लिए सभी राज्य सरकारों से हम मीटिंग करने वाले हैं, लेकिन वास्तविक रूप में राज्य सरकारें सहयोग करेगी तो ही योजना सफल हो सकेगी। जैसा कि अन्य राज्य सरकारें इंडस्ट्री को अलग छूट देती है और कई केपिटल सब्सिडी देती है।

वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह को अखबार की प्रति देते टेक्सटाइल वर्ल्ड के मार्केटिंग मैनेजर ललित शर्मा।

आक पर रिसर्च... केंद्र सरकार आकड़े (आक) के पौधे को लेकर कार्य कर रही है। आकड़े की रूई पश्मीना से ज्यादा पतली होती है, उनसे भी ज्यादा गर्म होता है और सिंथेटिक फाइबर से भी हल्का होता है। इसके लिए ढ़ाई एकड़ आकड़े के पौधे लगाकर प्रयोग कर चुके हैं और राजस्थान इसका हब बनेगा। आकड़े की रूई से बने कोट को मैं स्वयं जर्मनी ले गया, वहाँ पर माइनस 5-6 डिग्री में भी कोट ने अच्छा काम किया। इधर आकड़े की रूई से बनी रजाई को लद्दाख में ट्राई किया तो मात्र सवा किलो की रजाई से काफी गर्मी मिली और आगामी समय में सरकार देश में आकड़ा उत्पादन पर कार्य करेगी और बांस के फाइबर से भी कपड़ा बनाए जाने की तकनीक पर कार्य चल रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए विभिन्न सुविधाएं होगी

मंत्री महोदय ने रीको स्थित फेडरेशन के नए भवन में संचालित क्लिनिक और टेक्सटाइल लेबोरेट्री का निरीक्षण किया और वहां दी जा रही सुविधाओं की काफी सराहना की। श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना होने पर यहां क्लिनिक होगा, जिसमें डॉक्टर एवं नर्स स्टाफ द्वारा सुविधाएं दी जाएगी। दूसरा टेक्सटाइल यार्न, कपड़ा इत्यादि की सेंपल जाँच के लिए लेबोरेट्री की स्थापना की गई है, जिससे टेस्टिंग करके क्वालिटी प्रमाण दिया जाएगा। श्रमिकों के स्किल डवलपमेण्ट के लिए भी योजना शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

लिनन उत्पादन पर जोर

मंत्री महोदय ने कहा कि नेचुरल फाइबर में लिनन महत्त्वपूर्ण हो चुका है। आज लिनन से निर्मित वस्त्रों की काफी डिमांड है, जिसके लिए सरकार यूरोपियन देशों में बेल्जियम, इटली इत्यादि में लिनन की कृषि हो रही है। जिसकी तकनीक समझ रहे हैं, ताकि भारत में इसकी खेती हो सके।

हांगकांग का अनुभव सुनाया

मंत्री महोदय ने कहा कि जब मैं हांगकांग गया तो वहाँ पर 1 घंटे में सूट सिलकर तैयार कर देते हैं, क्योंकि वहाँ पर सूट की हर स्टेज अलग-अलग होती है। जैसे कोई आस्तीन, आगे का हिस्सा आदि पहले से तैयार रहता है, केवल उसे जोड़ना ही रहता है। इसलिए भीलवाड़ा को अब गारमेण्ट सेक्टर में कार्य करना चाहिए, क्योंकि यहाँ पर काफी संभावनाएं है।

निर्यात सेक्टर

निर्यात सेक्टर के लिए इन्होंने बताया कि जिस दिन हम दुनिया को गर्म (विंटर) कपड़े निर्यात करने लग जाएंगे, उस दिन से दुनिया हमारा लोहा मानेगी। अभी तक हमारा गारमेण्ट निर्यात अधिकतम समर क्लॉथ में ही हो रहा है।

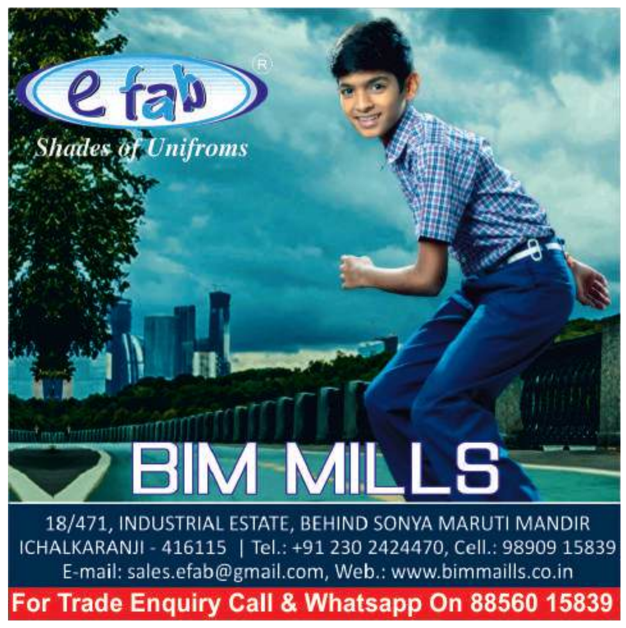

वैवाहिक मुहूर्त से ग्राहकी जबरदस्त

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा

इस समय बाजार में वैवाहिक मुहूर्त होने के कारण ग्राहकी अच्छी देखने को मिल रही है। सतयुग ट्रेडर्स, नागपाल जी के यहाँ पेंट-शर्ट, साड़ियाँ, पोपलीन, ब्लाउज पीस इत्यादि की रिटेल में ग्राहकी अच्छी हो रही है। मिलों में बराबर ऑर्डर आ रहे हैं तथा पेमेंट की आवक भी अच्छी हो रही है। प्रिंस टेलर्स, श्री सुरेश टेलर के यहाँ पाइमरा सूटिंग का कपड़ा जैसे लिनन, माइक्रो फ्लोरा, पालमर्श, डेवेनजा की बुकिंग अच्छी आ रही है। प्रिंस टेलर्स पर कपड़ों की सिलाई का काम अच्छा चल रहा है तथा प्रति ड्रेस 700 से 1000 रू तक सिलाई की जा रही है और स्कूल ड्रेस पर पार्टी ने स्पेशल छूट दे रखी है। श्री नाकोड़ा टेक्सटाइल, श्री महावीर मेहता के यहाँ प्राइमरा का कपड़ा रिटेल बुकिंग किया जा रहा है और मिलों में ऑर्डर बराबर भेजा जा रहा है। यदुवंशी वस्त्रालय, श्री पिंटु यादव के यहाँ पेंट-शर्ट, साड़ियों के अच्छे ऑर्डर आ रहे हैं तथा मिलों में बुकिंग बराबर जा रही है।

श्रम कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग में श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल उद्योग संघ के प्रतिनिधि नियुक्त

श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल

भीलवाड़ा/ राजस्थान सरकार के श्रम कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा इकाई के उपाध्यक्ष श्री पुरूषोतम अग्रवाल को उद्योग संघ का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। श्री अग्रवाल ने बताया कि आज युवाओं के पास रोजगार की कमी है और उद्योगों के पास श्रमिकों की कमी है। अतः मेरा प्रयास रहेगा कि दोनों के आपस में संपर्क से इस समस्या का कुछ हद तक समाधान संभव है, जिससे हमारी युवाशक्ति को उद्योगों की तरफ आकर्षित किया जा सकें। श्री अग्रवाल ने राजस्थान सरकार के श्रम कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग में उद्योग जगत के प्रतिनिधि के रूप में मनोनयन के लिए राज्य सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा कहा कि राज्य सरकार की अपेक्षा अनुरूप कौशल विकास एवं श्रम नियोजन की राज्य सरकार की सभी योजनाएँ अंततः ग्रामीणों तक पहुँचे, इसके लिए जगह-जगह कार्यशालाएँ कराई जाएंगी।

MSME में युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी करेंगे सुनिश्चित - MSME की सभी योजनाएँ वृहद् स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीण व शहरी युवाओं एवं महिलाओं को MSME के नवीन उद्योग व स्टार्टअप में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल को भीलवाड़ा, ग्रोथ सेंटर एवं महिला इकाई के सदस्यों ने बधाई दी। साथ ही मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं लघु उद्योग भारती के शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिखकर श्री अग्रवाल के मनोनयन पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाजार में वैवाहिक ग्राहकी की रौनक

सतना/ बलराम शुक्ला

इस समय बाजार में चहल-पहल दिखाई दे रही है। हालांकि किसान अभी अपने खेतों में पड़े हुए माल को समेटने में लगे हुए हैं। इस वर्ष गेहूँ की फसल अच्छी हुई है और अन्नदाता के मन में उत्साह है, क्योंकि सारा दारोमदार अन्नदाता पर निर्भर करता है। शहरीकरण हो रहा है और बाईपास बन रहे हैं, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब खेती लायक जमीन ही नहीं बचेगी, तो हम खायेंगे क्या, यह बहुत चिंता का विषय है? वैवाहिक सीजन की ग्राहकी शुरू हो गई है और लगभग हर दुकान में कस्टमर दिख रहे हैं। फैंसी साड़ी, ब्राइडल लहंगा, चुनरी, राजस्थानी पोषाक खूब बिक रहे हैं। तिलक में देने के लिए पेंट-शर्ट की जोड़ी, टॉवेल, गमछा खूब बिक रहा है। मुम्बई की सिद्धि विनायक की शर्टिंग पसंद की जा रही है। सतना के एक-दो दुकानदारों ने सूटिंग-शर्टिंग की रिटेल बुकिंग भी करायी, जिसमें अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। बाजार में अब पैसा आने लगा है।

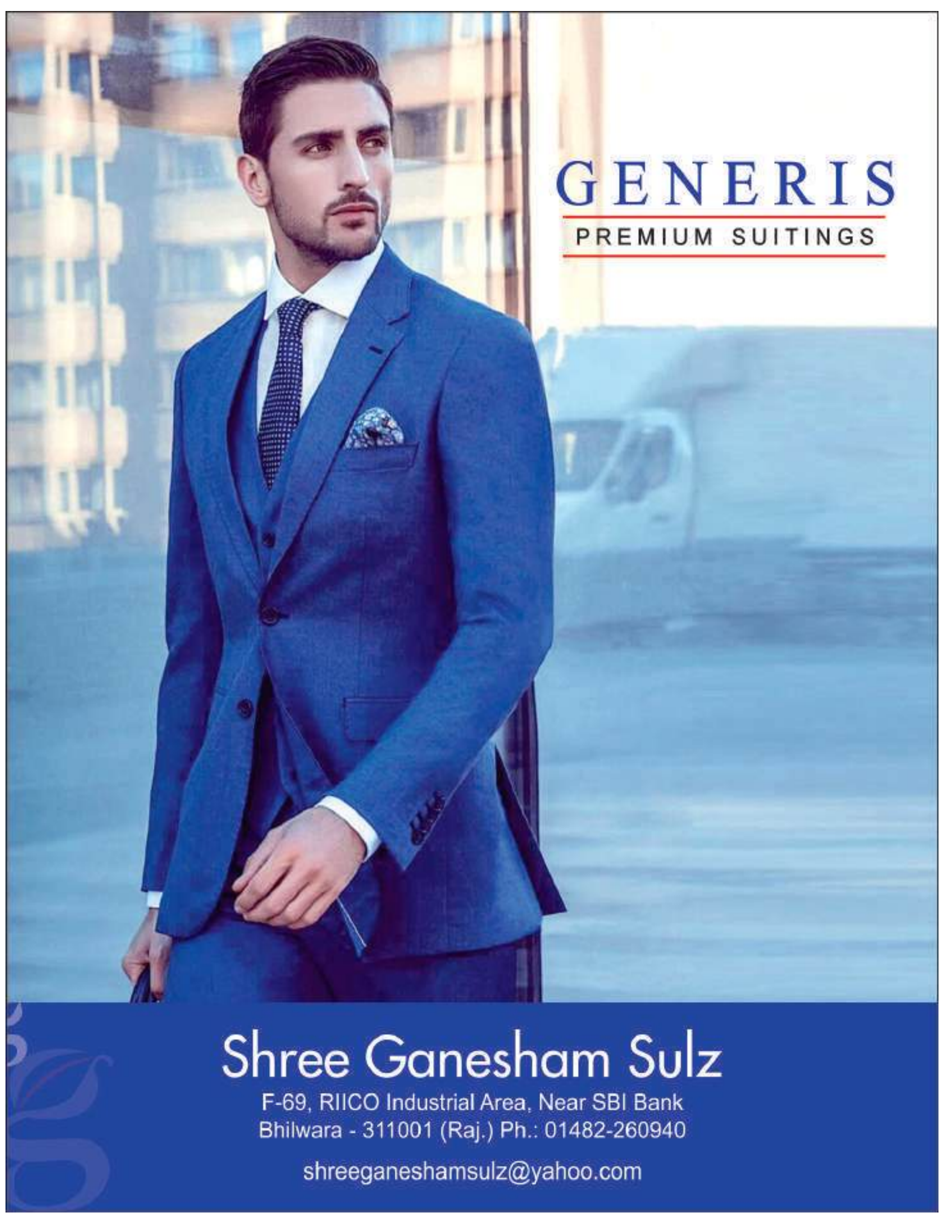

बदलते मौसम से बढ़ी कॉटन फैंसी परिधानों की मांग

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल... आलोच्य अवधि में मुजफ्फरनगर सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश की सभी प्रमुख कपड़ा मार्केट्स में कामकाज मध्यम रहें। यद्यपि इस समय लग्न-सावा मुहूर्त चल रहे हैं, किन्तु आमतौर से केवल मजबूत काउंटर्स पर ही कामकाज अच्छे हैं, अन्यथा मध्यम काउंटर्स पर कामकाज औसत दर्जे का हैं। सूटिंग-शर्टिंग, लेडीज सूट, साड़ी, रेडीमेड, हैंडलूम आदि सेगमेण्ट्स में मिलीजुली स्थिति है। मौसम में बदलाव होने से तापमान 37 डिग्री से ऊपर पहुँच रहा है, सो अब कॉटन फैंसी परिधानों की डिमांड भी निकलने लगी है। मध्यम दुकानदार को पेमेंट करने में परेशानी बनी हुई है और मजबूत सिस्टम वाले ही बाजार का अच्छा पेमेंट कर पा रहे हैं। इसके अलावा बिना सिस्टम वाले खुद भी परेशान रहते हैं और सामने वाले को भी परेशानी में डाल देते हैं। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारी सर्वश्री अशोक छाबड़ा, विनोद डाबर, नीरज डाबर, संजीव गोयल, सुदर्शन खरबंदा, राजेश ग्रोवर, अमित सिंघल, आशीष सिंगल, घनश्याम पालीवाल, लक्ष्मण रस्तोगी, सुशील छाबड़ा, के पी त्यागी, पवन बत्रा, लक्ष्मण रस्तोगी, गुलाटी जी, इन्द्र सुनेजा आदि के अनुसार कामकाज मध्यम से अच्छा रहने की आशा बनी हुई है।

अमेरिकी आयात कर नीति भारतीय वस्त्रोद्योग में सहयोगी

कोल्हापुर/ राहुल खाडे... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा कि उन्हें आयात शुल्क नीति के तहत वस्त्रोद्योग को लाभ होने की संभावना है। अमेरिका में प्रमुख रूप से चीन, बांग्लादेश और भारत की ओर से कपड़े का मिश्रण होता है। इसमें से भारत की ओर से सबसे कम किराए के ऑफर की घोषणा की गई है। भारत वस्त्रोद्योग निर्मित करने में संयुक्त राष्ट्र के अग्रणी देश में है। वर्ष 2023 में भारत ने विश्व कपड़ा क्षेत्र में छठा स्थान हासिल किया है। वर्ष 2023-24 में कपड़े के जागतिक व्यापार में देश का हिस्सा लगभग 3.8 प्रतिशत था। देश से जुड़ने वाला कपड़ा और तैयार कपड़ा अमेरिका के साथ यूरोपीय अर्थशास्त्री स्थित मार्केट पेठ में भेजा जाता है। जैसा कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के लिए बड़ी महत्त्वपूर्ण बाजार पेठ है। अमेरिका को कपड़ा आयात करने वाले देशों में आज तक चीन अग्रणी स्थान पर है। वर्ष 2024 में चीन में लगभग 36.1 अरब डॉलर (29. 6 प्रतिशत) की हिस्सेदारी थी। उसके बाद 15.5 अरब डॉलर का पार्टिशन वाला (12.7 प्रतिशत) वियतनाम था, जबकि भारत ने 9.71 अरब डॉलर (7.8 प्रतिशत) संयुक्त के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था। उसके बाद बांग्लादेश ने 7.49 अरब डॉलर (6.14 फीसदी) प्रति व्यक्ति की थी। अमेरिका में वर्ष 2024 में कुल 107 अरब डॉलर हुआ था। दुनिया के वस्त्रोद्योग बाजार की तुलना में यह आंकड़ा 11 फीसदी है।

चीन, बांग्लादेश पर असर - अमेरिका के नए आयात कर में अलग-अलग देशों के तैयार कपड़ों पर लगाया जाएगा। इसमें प्रमुख पूर्वोत्तर देश के बारे में सोचे तो यह प्रस्ताव मुख्य रूप से चीन, बांग्लादेश और भारत के बीच है। ट्रंप प्रशासन ने चीन के लिए 54, बांग्लादेश के लिए 37 और भारत पर 26 प्रतिशत नए शुल्क की घोषणा की है। चीन में भारत को कपड़ा बनाने के लिए बड़ा मौका मिल रहा है, इससे पहले 34 प्रतिशत होने वाले सामान में लगभग 20 प्रतिशत की खरीददारी होती है। नई कर नीति में चीन, कंबोडिया, वियतनाम, श्रीलंका आदि देशों के वस्त्रोत्पादन में अमेरिका के बाजार पेठ के लिए मशीनरी होगी। इंडोनेशिया, पाकिस्तान, यूरोपियन संघ, तुर्किस्तान आदि देशों का कपड़ा तैयार कपड़ों की तुलना स्वस्त होगी, लेकिन इस उद्योग के स्टार्टअप के लिए देखे तो चीन, वियतनाम, श्रीलंका, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, श्रीलंका से ज्यादा भारतीय वस्त्रोत्पादन स्वस्त्य होंगे। विश्वनाथ अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रपति, लीडर पिडिसेल (पावरलूम डवलपमेंट और एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल)

MODELLA के नये टेक्सटाइल प्लांट का शुभारंभ

नया कैटलॉग 'गुरूकुल' लॉञ्च : स्कूल यूनिफॉर्म में ब्लेजर के लिए विशेष रेंज का समावेश

अमृतसर/ वूलन फैब्रिक के उत्पादन में विश्व प्रसिद्ध कम्पनी MODELLA ने हाल ही अमृतसर में अपने नए टेक्सटाइल प्लांट (यूनिट) में बहुमुखी कपड़ों का उत्पादन शुरू किया है, जिसकी स्कूल यूनिफॉर्म, ब्लेजर और जैकेट के लिए 2 लाख मीटर प्रति माह की अतिरिक्त क्षमता है। यूनिट में स्थापित की गई नई मशीनें पूरी तरह से हाईटेक हैं और जर्मनी तथा इटली से आयात की गई हैं। नई यूनिट में पहला डवलपमेण्ट नवरात्रि के शुभ सप्ताह में शुरू हुआ और कैटलॉग 'गुरूकुल' के तहत ट्वीड डिजाइनों का पहला संग्रह बैसाखी के शुभ दिन 13 अप्रैल को लॉञ्च किया गया। कैटलॉग को विशेष रूप से स्कूल यूनिफॉर्म में ब्लेजर के लिए चैक्स, डॉबी ट्रेंड जैसे डिजाइनर कपड़ों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। डिजाइंस के साथ-साथ 'गुरूकुल' में शामिल फैब्रिक रेंज उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरती है। बच्चों को सर्दियों में खुद को कवर करने के लिए स्टाइलिश लुक के लिए जिस यूनिफॉर्म की आवश्यकता होती है, वे सभी खूबियाँ इसमें समाहित है। इसे स्कूल में खेलने एवं आनंद लेने के लिए एक आरामदायक वस्तु के रूप में रखा जाता है। नए स्थापित संयंत्र की मदद से हम फैब्रिक उत्पादन में उच्च गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं।

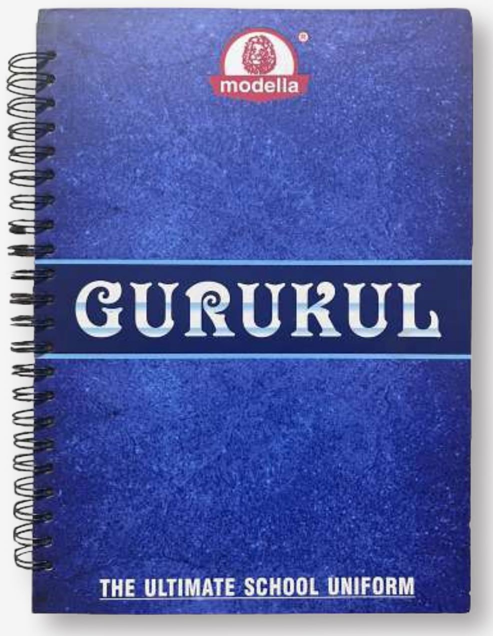

modella®
Since 1965

वूलन फैब्रिक उत्पादन में लीडर कम्पनी

वर्ष 1965 में स्थापित MODELLA भारत की सबसे पुरानी और अग्रणी वूलन कपड़ा निर्माता कम्पनी है। वूलन ट्वीड, स्कूल, कॉर्पोरेट, यूनिफॉर्म फैब्रिक और सभी आयु वर्ग के पुरुषों के पहनने के लिए लोहिया के विशेषज्ञ हैं। कम्पनी के सभी उत्पाद अपने ब्राण्डनेम MODELLA के तहत बेचे जाते हैं, जो वूलन उद्योग में एक आम नाम बन गया है। इसके अलावा वूलन ट्वीड कपड़ों की व्यापक डिजाइन रेंज ने अपने औपचारिक और कैजुअल ब्लेजर रेंज के लिए घरेलु और अंतरराष्ट्रीय ब्राण्ड्स के बीच MODELLA ने अपनी पहचान बनाई है। कम्पनी पंजाब के पवित्र शहर अमृतसर में एक बहु-फेक्ट्री क्षेत्र में फैली विशाल उत्पादन क्षमता के साथ कार्यरत है। जहाँ सभी उत्पाद जर्मनी से आयातित उच्च तकनीक वाली मशीनों पर बनाए जाते हैं ताकि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला उत्पाद दिया जा सके। कम्पनी में पसंद और चलन के अनुसार उत्पाद बनाने और डिजाइन करने के लिए एक विशेष समर्पित R&D प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।

GURUKUL

MODELLA के संस्थापक श्री संतोष कुमार अरोड़ा जी को दी हार्दिक श्रद्धाञ्जलि

नए संयंत्र के उद्घाटन पर सबसे पहले MODELLA के संस्थापक श्री संतोष कुमार अरोड़ा जी को श्रद्धाञ्जलि दी गई, जिनके 91 वर्षों के समर्पण और अपने काम के प्रति निष्ठा के बाद 8 फरवरी 2025 को निधन हो गया। MODELLA कम्पनी के सभी प्रबंधन ने संस्थापक द्वारा बताए गए मार्ग का अनुसरण करने की शपथ ली, जिन्होंने ब्राण्ड की ईंट से ईंट बनाने में अपना पूरा जीवन दिया। नया संयंत्र एक श्रद्धाञ्जलि है, जिसे ऊनी वस्त्र उद्योग में उनके जुनून के लिए याद किया जाएगा।

FOR TRADE ENQUIRY : Contact : 82640-40737 | Website : www.modella.in | Email: modella.wool@gmail.com

100 % Giza Cotton Luxury Shirting Fabric

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

TESSITURA MONTI INDIA®

Mill:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027, INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

Tessitura Monti India Pvt.Ltd. BORN IN ITALY 1911

Auth. Distributors : Maharashtra - M/s Decott Fashions , Mumbai   Gujarat & Rajasthan - M/s Advin, Ahmedabad   TamilNadu - M/s Bajrang Clothing, Chennai
Karnataka & Goa - M/s Popular Enterprises, Bengaluru   Karnataka, Goa, AP & Telangana - M/s Modern Impex, Bengaluru   West Bengal & Bihar - M/s Shree Paras Synthetics, Kolkata
Delhi NCR, UP, Punjab, Haryana, J&K - M/s Worldwide Fashions (RI), Delhi   AP & Telangana - M/s SHA Hirachand Jawanmal & Co.(SHJ),Bengaluru

विकास सिन्टेक्स पर आदित्य बिरला की टीम ने किया विजिट

पूरी टीम ने कम्पनी की कार्यप्रणाली को सराहा

भीलवाड़ा

यूनिफॉर्म फैब्रिक निर्माताओं में शुमार 'विकास सिन्टेक्स' निरंतर अपने प्रॉडक्ट डवलपमेण्ट के लिए बाजार में छाया हुआ है। पीवी टॉप डाइड यूनिफॉर्म में अपनी पहचान रखने वाली कम्पनी का ब्राण्ड 'रेनलोन' के अंतर्गत आज हर सेक्टर के लिए यूनिफॉर्म का उत्पादन किया जा रहा है।

हाल ही में भीलवाड़ा प्रवास पर आदित्य बिरला टीम के श्री वाडीराज कुलकर्णी (ग्रुप एमडी), श्री मनमोहन सिंह (सीएमओ-ग्लोबल हैड), श्री नीरज सिंह (सीएमओ-अल्ट्राटेक सीमेण्ट) एवं श्री अंकुर थोराट (कैटेगरी हैड मेन्स एण्ड वूमेन्स फैब्रिक) ने 'विकास सिन्टेक्स' का दौरा किया और वे कम्पनी मैनेजमेंट से काफी खुश नजर आए। उन्होंने कम्पनी की पूरी कार्यप्रणाली की जमकर सराहना की।

'विकास सिन्टेक्स प्रा.लि.' के एमडी श्री मदन गोपाल कालरा ने एवं डायरेक्टर श्री रवि कालरा से पूरी टीम ने आगामी सीजन को लेकर नये डवलपमेण्ट पर काफी चर्चा की। श्री रवि कालरा ने बताया कि पूरी टीम ने फैक्ट्री का विजिट करते हुए समस्त प्रॉडक्ट रेंज, कैटलॉग एवं कार्यप्रणाली को देखकर प्रभावित हुए एवं भविष्य में बिरला ग्रुप द्वारा प्रॉडक्ट डवलपमेण्ट में हर संभव साथ खड़े रहकर आगे बढ़ने को कहा।

श्रमिकों के लौटने से औद्योगिक हलचल शुरू

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

एक लम्बे अवकाश के पश्चात् जल प्रदूषण निवारक एवं नियंत्रक संयंत्र ने जल शोधन का कार्य प्रारंभ कर दिया है, इससे औद्योगिक क्षेत्र में पुनः गति का आभास होने लगा है। अब तक सड़कों पर व्याप्त विरानी के स्थान पर चहल-पहल परिलक्षित होने लगी है। श्रमिकों के लौटने से कारखानों में औद्योगिक प्रक्रियाएँ प्रारम्भ होने लगी है। जिन कारखानों में श्रमिक आए, उसी अनुरूप उत्पादन होने लगा है। वैसे चंद दिनों में श्रमिक काम पर आ जाएंगे। सीईटीपी के निर्देशानुसार फेक्ट्री मालिक अपने यहाँ स्थापित क्षमता का मात्र पचास प्रतिशत ही ले सकते हैं। जिन उद्यमियों के पास स्टॉक में तैयार माल है, वे निश्चित रूप से माल चालान कर रहे हैं। मानाकि लेवाली तैयार माल की है, फिर भी सप्ताह भर में चालान की गति बढ़ जाएगी। इस वर्ष गर्मी की अधिकता की संभावना व्यक्त की जा रही है और इससे कॉटन क्लॉथ की मांग में बढ़ोतरी अवश्यम्भावी है। स्थानीय उत्पादित पोपलीन, नाइटी क्लॉथ, साड़ीफॉल, अंडर स्कर्ट (पेटीकोट) का क्रेज देशभर में व्याप्त होने से ग्राहकी का फ्लो निरंतर चलता रहता है। नामचीन उत्पादकों के पास नियमित ऑफर रहना उनकी कार्यशैली व माल की गुणवत्ता की परिचायक है। वास्तविक रूप में अध्ययन किया जाए तो पाएंगे कि व्यावसायिक नेटवर्क अब बड़े प्रतिष्ठानों के अधीन है एवं छोटे प्रतिष्ठानों को इन्होंने विकल्प खोजने हेतु मजबूर कर दिया है। पेटीकोट उद्योग बराबर बढ़ने से पोपलीन में जिस प्रकार विभिन्न क्वालिटियों का बोलबाला है, उसी प्रकार पेटीकोट भी कई प्रकार का बनने लगा है। आकर्षक पैकिंग के क्षेत्र में नये-नये प्रयोग हो रहे हैं। आज का उपभोक्ता केवल माल की क्वालिटी ही नहीं चाहता, बल्कि प्रभावी पैकिंग की दरकार भी रखता है।

गारमेण्ट उद्योग में खुशहाली की सौगात... औद्योगिक क्षेत्र में गारमेण्ट उद्योग के बढ़ने की संभावना को पंख लग गये हैं। कई उत्पादकों ने इस संदर्भ में काफी प्रगति की है। सरकार ने जब भी सुध ली, तो इस क्षेत्र का गारमेण्ट उद्योग एक नई खुशहाली की सौगात के साथ उभरेगा। बालोतरा के जिला बनने से कई उपयोगी कार्यो को संबल मिलेगा। औद्योगिक संस्थानों और प्रशासन के साथ जन प्रतिनिधियों ने पूरजोर दिया, तो जल प्रदूषण के प्रभावी समाधान को स्थान मिलेगा और उत्पादन पूर्ण क्षमता के साथ विस्तार करेगा। इस क्षेत्र के बेहतरीन उत्पादनों को सरकार द्वारा विज्ञापित किया जाएगा, तो स्थानीय उद्योगों के उभरने एवं विकसित होने के साथ ही विस्तार को चार चाँद लगेंगे।

For Retail Franchise store enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747
Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com | AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS

Follow us on /@Burgoyneindia | /@Burgoyneindiaofficial | www.burgoyne.co
Burgoyne & **BAIRD Cotton** are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

HOUSE OF BURGOYNE IRELAND
ESTD. 1912

BURGOYNE Tradeshow held in April 2025 at Kochi makes a grand start!

Kochi/ WFB Baird & Company (India) Pvt. Ltd. recently held the Burgoyne Tradeshow at Taj Cochin International Airport hotel that offers a luxurious retreat infused with the vibrant essence of Kerala.

The tradeshow saw enthusiastic participation by all the Pan-India dealers and agents of Burgoyne, who came from various parts of the country.

The tradeshow, held between 7th – 9th April 2025, was inaugurated by company's Chairman Mr. James Baird along with the Directors Ms. Suchitra Menon (Director & CEO), Mr. Pradeep Kumar B (Director & COO) and Mr. Abhijit Ganguly (Director & CMO) in the presence of All-India dealers, agents & other company officials.

The tradeshow witnessed the launch of four exciting collections – Blossom, Lucas, Crochet and Merida.

The tradeshow also witnessed the launch of Burgoyne's latest range of premium linen fabric collections featuring unique and visually appealing prints and embroidery work in a wide array of fashionable colours keeping in view the upcoming festive season.

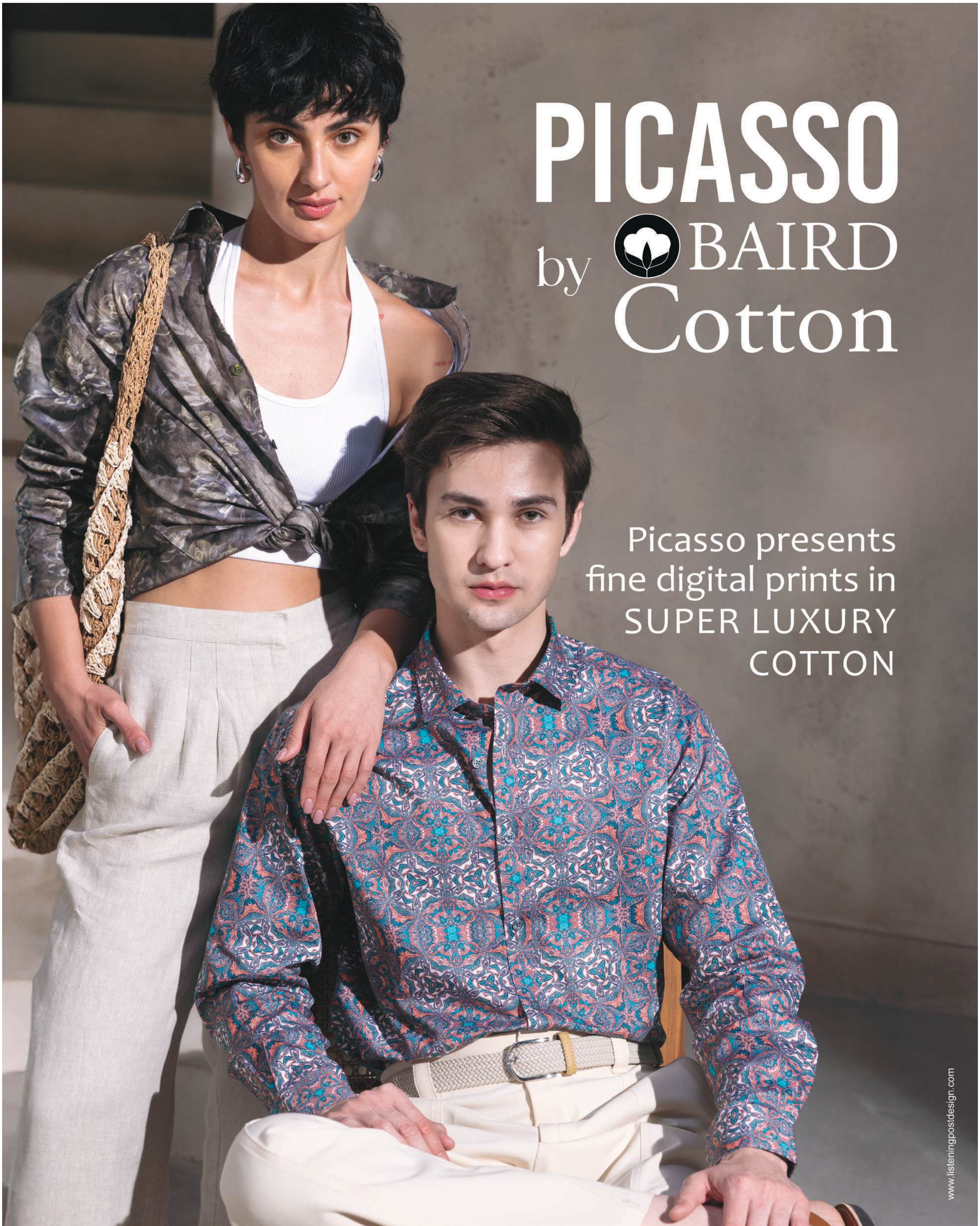

For Agent/Dealer enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747
Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com | AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS

Follow us on /@bairdcottonofficial | /@bairdcotton_official | www.bairdcotton.com
Burgoyne & **BAIRD Cotton** are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

HOUSE OF BURGOYNE IRELAND ESTD. 1912

आखातीज से मार्केट में हलचल शुरू

ब्यावर/ अनिल डोसी... मार्केट में ग्राहकी अच्छी चल रही है। आगे शादी-ब्याह सीजन होने से ग्राहक रेग्युलर मार्केट में आ रहे हैं। राजपूती ड्रेस, कॉटन प्रिंट, ओढ़नी इत्यादि बीकानेर, कुचेरा, लाडनू, सुजानगढ़, जोधपुर से रेग्युलर आ रहे हैं। फैंसी बेस, साड़ियां, सलवार सूट, ड्रेस मटीरियल, टेरी रूबिया, वूली ब्लाउज पीस, रेडीमेड ब्लाउज, पोपलीन, पेटीकोट, सूटिंग-शर्टिंग, सेमी जापान ओढ़नी, फैंसी साड़ियां, पौशाक आदि पाली में लेबर समस्या की वजह से माल तैयार होने में समय लग रहा है। आखातीज पर ग्राहकी अच्छी चलने की उम्मीद है। पेमेंट की आवक ठीक है। इसके अलावा स्कूल ड्रेस की क्वालिटियां रेमण्ड कॉटन, व्हाइट हाउस, समर कूल क्वालिटियों की पूछ-परख शुरू हो गई है।

कॉटन वस्त्रों की यकायक मांग बढ़ी

उदयपुर/ नवीन कोठारी

वातावरण में अचानक गर्मी बढ़ने से वस्त्र बाजार में यकायक कॉटन वस्त्रों की मांग बढ़ गई। इन दिनों वैवाहिक सीजन भी है और लोग शादी की खरीददारी भी जोर-शोर से कर रहे हैं। वैवाहिक वस्त्र ज्यादातर सिल्क बेस के होते हैं। कढ़ाई-बुनाई सिल्क बेस वाले वस्त्रों पर ज्यादा उपलब्ध होती है। मगर गर्मी बढ़ने से अधिकांश ग्राहक कपड़ों को हाथ लगाते ही कॉटन वस्त्र की मांग करते देखे जा रहे हैं। कॉटन वस्त्र वर्क पेटर्न में उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में उन्हें सिल्क बेस वाले वैवाहिक वस्त्र खरीदने पड़ रहे हैं। सलवार सूट हो या ड्रेस मटीरियल अथवा सूटिंग-शर्टिंग वस्त्र हो या साड़ियाँ हो कॉटन बेस ही बिक रहे हैं। रेडीमेड वस्त्रों में भी कॉटन वस्त्र के साथ स्लीव लेस कुर्तियां, हाफ आस्तिन टी-शर्ट, शर्ट तथा हाफ पेंट बरमुड़े की बाजार में अधिक डिमांड है। इसके अलावा होजियरी आयटम और ग्रे वस्त्र में भी कॉटन की ही मांग है।

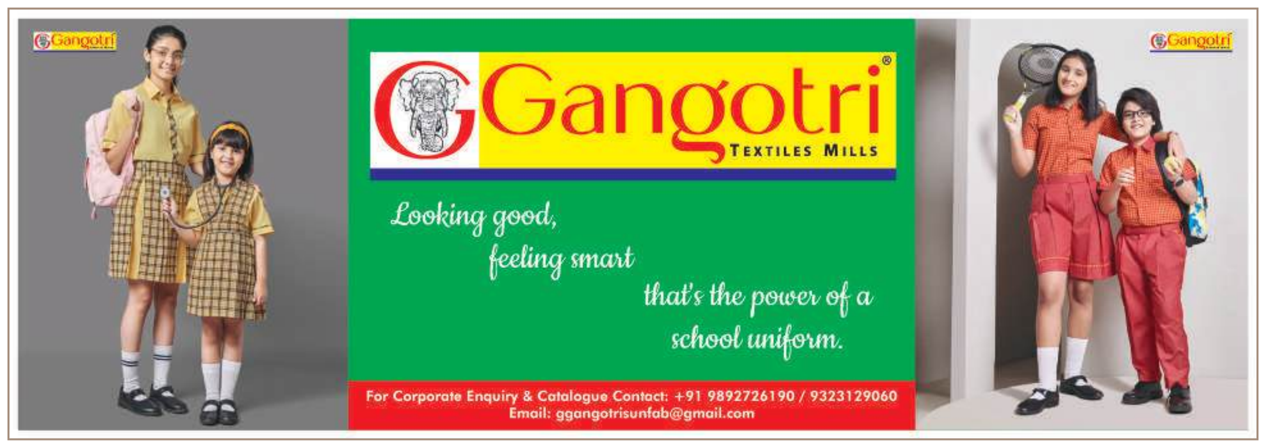

सम्पादकीय....

उपराष्ट्रपति की टिप्पणी पर गरमाई राजनीति

राज्यपाल को गुण-दोष के आधार पर विधेयकों पर या तो खुद फैसला लेना चाहिए या फिर उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना चाहिए। विधेयक दबाकर बैठने का अर्थ है राज्य सरकार के शासन करने के अधिकार और जनता के हितों की अनदेखी करना। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उपराष्ट्रपति की आपत्ति का अपना आधार हो सकता है लेकिन यह भी तो ठीक नहीं कि राज्यपाल विधेयकों पर फैसला ही न लें।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को विधेयकों पर तीन माह में फैसला लेने का आदेश देते हुए यह भी कहा था कि यदि राज्यपाल किसी विधेयक को असंवैधानिक मानते हुए राष्ट्रपति के पास भेजें तो वह उनसे राय लें, इसलिए यह सवाल उठा कि क्या उसे ऐसा आदेश देने का अधिकार है? यह सवाल इसलिए और भी उठा, क्योंकि फैसला सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने दिया, न कि संवैधानिक पीठ ने।

तमिलनाडु के राज्यपाल की ओर से विधानसभा से पारित विधेयकों को रोकने पर सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले ने जो बहस शुरू की थी, उसे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह कठोर टिप्पणी और गर्माएगी कि न्यायपालिका सुपर संसद बनने की कोशिश न करे। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को विधेयकों पर तीन माह में फैसला लेने का आदेश देते हुए यह भी कहा था कि यदि राज्यपाल किसी विधेयक को असंवैधानिक मानते हुए राष्ट्रपति के पास भेजें तो वह उनसे राय लें, इसलिए यह सवाल उठा कि क्या उसे ऐसा आदेश देने का अधिकार है? यह सवाल इसलिए और भी उठा, क्योंकि फैसला सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने दिया, न कि संवैधानिक पीठ ने। इस सवाल के बीच ऐसे संकेत दिए गए कि सरकार इस फैसले की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। वह सुप्रीम कोर्ट जाए या नहीं, यह प्रश्न अपनी जगह खड़ा रहेगा कि क्या सुप्रीम कोर्ट राज्यपालों को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समयसीमा में बांधते हुए राष्ट्रपति को भी आदेश दे सकता है? इस प्रश्न के बीच इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि यह आदर्श स्थिति नहीं कि राज्यपाल विधेयकों पर कोई फैसला लिए बिना उन्हें लंबे समय तक दबाए रखें। यह सामान्य बात नहीं कि तमिलनाडु के राज्यपाल करीब एक दर्जन विधेयकों को रोके हुए थे। इनमें से कुछ वर्षों पहले पारित किए गए थे। ऐसा नहीं होना चाहिए था।

राज्यपाल को गुण-दोष के आधार पर विधेयकों पर या तो खुद फैसला लेना चाहिए या फिर उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना चाहिए। विधेयक दबाकर बैठने का अर्थ है, राज्य सरकार के शासन करने के अधिकार और जनता के हितों की अनदेखी करना। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उपराष्ट्रपति की आपत्ति का अपना आधार हो सकता है, लेकिन यह भी तो ठीक नहीं कि राज्यपाल विधेयकों पर फैसला ही न लें। महत्वपूर्ण और राज्यपाल सरीखे संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से यही अपेक्षित होता है कि वे समय पर फैसला लें। जब ऐसा नहीं होता, तभी सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करने का अवसर मिलता है, लेकिन यह भी नहीं होना चाहिए कि वह हस्तक्षेप के नाम पर अपने अधिकारों से बाहर जाता दिखे।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों के साथ राष्ट्रपतिको ही समयसीमा में नहीं बांधा, बल्कि तमिलनाडु के उन विधेयकों को मंजूरी भी दे दी, जिन्हें राज्यपाल ने रोक रखा था। ऐसा इसके पहले कभी नहीं हुआ। यह पहली बार नहीं, जब अधिकारों को लेकर न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका में तकरार हुई हो। ऐसी तकरार तब तक होती रहेगी, जब तक ये तीनों अपना काम समय पर और सही तरह से नहीं करेंगी। दुर्भाग्य से कई बार तीनों ही ऐसा नहीं करतीं और इसके दुष्परिणाम भोगती है जनता।

कुछ नया, कुछ अलग •

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

जिंदगी की उलझनों से निपटने के लिए कुछ जरूरी सबक

नमस्ते मित्रों,

आज के लेख की शुरूआत मशहूर और मेरे बेहद पसंदीदा कवि राहत इंदौरी की एक खूबसूरत शायरी से करना चाहता हूँ। राहत साहब ने अपनी शायरी के माध्यम से जीवन की मार्मिक बातों को बखूबी अंदाज में बयाँ किया हैं। जिंदगी की उलझनों को समझाते हुए राहत साहब लिखते हैं-

उँगलियाँ यूँ न सब पर उठाया करो
खर्च करने से पहले कमाया करो।
जिंदगी क्या है खुद ही समझ जाओगे
बारिशों में पतंगें उड़ाया करो।।

दोस्तों, हम सभी के लिए यह जीवन जीने के लिए कितनी खूबसूरत सीख है। जीवन में उलझनों की कोई कमी नहीं हैं। जीवन के हर कदम पर नई चुनौतियाँ और संघर्ष है, लेकिन हमें अपनी मुश्किलों के लिए दूसरों पर उँगलियाँ उठाने से पहले, एक बार अपने भीतर झाँक लेना चाहिए। हमें पहले यह देखना चाहिए कि हम खुद कितने पानी में हैं, क्योंकि हर किसी का जीवन एक जैसा नहीं होता। हर व्यक्ति के लिए परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ अलग-अलग होती हैं। हमारे यहाँ इससे जुड़ी एक कहावत भी है। 'जब हम दूसरों की तरफ एक उँगली उठाते हैं, तब उसी समय तीन उँगलियाँ हमारी अपनी तरफ भी इशारा करती हैं'। हर बात के लिए दूसरों को कटघरे में रखने से पहले, यदि हम खुद को उनके स्थान पर रखकर परिस्थितियों को समझने की कोशिश करें, तो हम उनके नजरिए को और बेहतर ढंग से समझ पाएंगें।

हम भारतियों की एक बुरी आदत हैं, हम हर असुविधा के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहरा देते हैं, लेकिन क्या हम स्वयं स्वच्छता के प्रति कभी सजग रहते हैं? क्या हम कूड़ा डालने के लिए कूड़ेदान का उपयोग करते हैं या यहाँ-वहाँ कचरा फेंककर आगे बढ़ जाते हैं? क्या एक भारतीय नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी नहीं बनती की हम अपनी गली, महोल्ले, इलाके या शहर को स्वच्छ रखें? लेकिन नहीं, हम तो अपनी आदतों के गुलाम हैं। हमें सरकार की ओर उँगलियाँ उठाना तो आता हैं, लेकिन स्वयं अपने-आप में बदलाव लाना हमें मंजूर नहीं हैं।

राहत साहब अपनी शायरी के माध्यम से फिजूलखर्ची करने वालों पर भी तंज कसते हैं। बिना मतलब की महंगी चीजें खरीदने से पहले, खुद भी दो पैसे कमाकर देखिए। जब आप पसीना बहाकर दो पैसे कमाएंगे, तभी पैसों की असली कीमत समझ पाएंगे और तभी आप सही मायनों में जिंदगी की कदर कर पाएंगे। कई बार तो हम देखा-देखी में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी हमें कोई जरूरत ही नहीं होती। इस संदर्भ में अमेरिकन हास्यकार विल रोजर्स का एक यथार्थ कटाक्ष है ''बहुत से लोग अपनी कमाई का पैसा उन चीजों को खरीदने में खर्च कर देते हैं, जिनकी उन्हें कोई आवश्यकता नहीं हैं, ताकि वे उन लोगों को प्रभावित कर सकें, जिन्हें वे पसंद ही नहीं करते।''

जीवन की परेशानियों से उलझता और परिवार की जिम्मेदारियों के बोझ तले दबता इंसान धीरे-धीरे जिंदगी को उबाऊ महसूस करने लगता हैं। लेकिन दोस्तों, एक बात हमेशा याद रखना, मुश्किलों का सामना वहीं कर सकता है, जो जिम्मेदारियाँ उठाने का हुनर जानता हो। जिंदगी को आप तभी समझ पाओगे, जब जीवन की हर विपरीत परिस्थितियों का सामना डटकर करोगे। जीवन कभी भी एक जैसा नहीं चलता। यह कभी हँसाता है, तो कभी रूलाता भी है, लेकिन जो इंसान को हर हाल में खुश रहना आता हो, यह उसी के आगे सिर झुकाता हैं।

संघर्ष और परेशानियाँ हम सभी के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और कभी न कभी हर व्यक्ति को जीवन में संघर्ष से दो-चार होना ही पड़ता हैं। कोई भी व्यक्ति चाहे जितनी भी ऊँचाइयों तक पहुँच जाए, चाहे वह कितनी भी सफलता हासिल कर ले, उसकी जिंदगी में कुछ न कुछ कमी या मुश्किलें हमेशा बनी रहती हैं। यह जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है कि कभी सुख होता है, तो कभी दुःख। लेकिन यह उतार-चढ़ाव हमारी जीवनयात्रा को दिलचस्प बनाते हैं। हमें जीवन का सच्चा उद्देश्य तब समझ में आता है, जब हम जीवन में आई परेशानियों से जूझते हैं और कुछ नया सीखते हैं।

मित्रों, जीवन का दूसरा नाम ही संघर्ष है। याद रखना, किसी भी इंसान को संघर्ष किए बिना सफलता हासिल नहीं होती। मैं आज की बात को विराम सलिल चौधरी द्वारा आनंद फिल्म के लिए लिखे गए गीत की पंक्तियों से चाहूँगा। अगली बार फिर मिलेंगे, एक और नए विषय के साथ।

तब तक के लिए अलविदा।

ज़िंदगी कैसी है पहेली, हाय
कभी ये हँसाए, कभी ये रूलाए।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

टेक्सटाइल में रंगों का महत्व और उपयोगिता

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट

बसंत के बाद मार्च में होली के त्यौहार की तैयारी है। राजस्थान में तो टेसू के फूलों का प्रयोग होली में होता है। होली रंगों का त्यौहार है। एक मनोवैज्ञानिक डॉक्टर रंगों के प्रयोग से पेशेंट की मनोदशा को पहचान कर ईलाज करता है।

जब हम रंगों की बात करते है, तब आज की पीढ़ी हर्बल कलर/प्राकृतिक रंगों को पसन्द करने लगी है। पेड़ के पत्तों के रंग को देख कर, पेड़ की सेहत, फलों और सब्जी के रंगों से उसकी ताजगी, आदमी के नाखूनों से उसकी बीमारी के बारे में पता चलता है। प्राकृतिक चिकित्सा में रंगों के हिसाब से फलों/सब्जी के प्रयोग के बारे में और रोगों के निदान के बारे में बताया गया है। इतिहास गवाह है कि जब जब केसरिया बाना पहने भारतीय योद्धा युद्ध के मैदान में आता है तो मजबूत दिल वाले दुश्मन को साक्षात् मौत सामने खड़ी दिखाई पड़ी।

एक सिविल इंजीनियर द्वारा कमरों के अन्दर रंगों का चयन या एक इलेक्ट्रिक इंजीनियर का यंत्रों में तारों के रंगों का चयन करना, रंगों की महत्वत्ता या उसकी उपयोगिता को दर्शाता है। एक इंटीरियर डिजाइनर, फैशन डिजाइनर, हेयर डिजाइनर इत्यादि रंगों के द्वारा अपने कार्य को यूजर फ्रेंडली बनाता है। एचआर विभाग के लिए, कलर ब्लाइंड टेस्ट टेक्सटाइल में काम करने के लिए बहुत जरूरी होता है। हर व्यक्ति को इस प्रकिया से निकलना जरूरी होता है। इस प्रकिया की एक चूक संस्थान और समाज को आर्थिक और मानवीय नुकसान पहुंचाने में सक्षम होता है। किसी भी सभ्यता के लिए रंग एक महत्वपूर्ण स्थान रखते है, यह उनके राष्ट्र ध्वज में भी दिखाई देता है। कपड़ों में रंगों का चयन उनके धर्म का, भौगौलिक, सामाजिक, आर्थिक व उनके व्यवसाय, स्टेटस आदि की पहचान करवा सकता है।

रंगों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है और इसको टेक्सटाइल से जुड़े लोगों ने अपनी कला से भुनाया भी है। टेक्सटाइल से जुड़े लोगों ने, ग्राहकों को ऋतुओं/मौसम/सामाजिक/धार्मिक/भावनाओं से जुड़े कार्य के लिए मौसम के अनुसार कपड़ों में फाइबर, डिजाइन और रंगों में बदलाव किया है। आपने सैनिकों की वर्दी को भी समय के अनुसार खाकी से ऑलिव ग्रीन और उसके बाद भ्रमित करने वाले कपड़ो का प्रयोग देखा है। आपने एम्बुलेंस और बच्चों के लिए, स्कूल बसों के रंगो का चयन भी ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए बनाया है। धागा बनने की प्रकिया में शुरू से आखिर तक कलर कोड, का एक महत्वपूर्ण स्थान है। जिसको सुरक्षा के साथ 2, एक मटेरियल को दूसरे मटेरियल से पहचान करने के लिए बनाया गया है, और इसके द्वारा सुनिश्चित किया जाता है, कि ग्राहक के पास सही मटेरियल जाए।

मशीनों पर पेंट, कार्यस्थल पर दीवारों का रंग, रिंग फ्रेम में धागों की पीसिंग के लिए कलर का अलग महत्व है। ग्राहकों की शिकायतों में, धागे मिक्स होना भी एक प्रमुख कारण देखा गया है। इसका मुख्य कारण, मिल में कलर कोड का फेल्यर दर्शाता है। आज कल अंधेरे में चमकने वाले रंगो का प्रयोग, आपातकालीन स्थिति में, नुकसान से बचने के लिए किया करते है।किसी भी संस्थान में स्टॉफ, ट्रेनी, मशीन चलाने वाले, मेंटेनेंस, इंजीनियरिंग विभाग, चपरासी, हाउस कीपिंग स्टाफ, मेस में खाना परोसने वालों की पोशाक माली और ड्राइवर्स की ड्रेस का रंग, वेकेंसी स्टाफ ईत्यादि न ही उसके डिपार्टमेंट के अनुसार निर्धारित होता है, बल्कि उनके काम के अनुसार चयन किया जाता हैं। कुछ सवाल मन में उठने स्वाभाविक है। कैसे एक रूई से एक ही समय बनने वाले अलग 2 काउंट, बिना मिक्स हुए, ग्राहक तक पहुंच जाते है ?

- क्यों फायर डोर्स लाल रंग के होते है?
- ब्लोरुम में हवा, वेस्ट और रूई की पाइप्स , अलग 2 रंगो की रखी जाती है?
- क्यों आग बुझाने वाले संयंत्र, ज्यादातर लाल रंग के होते है?
- क्यों डेंजर्स के लिए, लाल रंग का प्रयोग होता है?
- क्यों ज्यादातर मशीनों का रंग हरा रखा जाता है?
- यहां हम स्पिनिंग संस्थान के अन्दर अलग अलग मशीनों में किस प्रकार कलर कोड के बारे में जानना जरूरी होता है, इस लेख द्वारा समझाने का प्रयास करते है।
- ब्लोरुम में मशीनों में हवा, रूई और वेस्ट की पाइप्स को अलग 2 रंगों से पेंट करा जाता है, जिससे मेंटेनेंस करने में प्रयोग हो। मिक्सिंग मेंTinting के प्रयोग से कोई बिरला ही वाकिफ नहीं होगा। पीवी और पीसी मिक्सिंग करते क्यों हम पॉलिएस्टर पर टिंटिंग करने से हम सब वाकिफ है। मशीनों में स्टॉपमोशन में अलग 2 रंगों की लाइट से काम करने वालों के कार्य को आसान बनाना है। आज घरेलू उत्पादों में अलग 2 फायर डोर्स के बल्बों से आदमी का जीवन आसान हो गया है।
- Fire Extinguishers, रेत की बाल्ट, fire exit दरवाजे, लाल रंगों से पेंट किए जाते है। लाल रंग न ही खतरे का सूचक है, मगर साथ ही साथ इसको दूसरे रंगों की बजाय दूर से देखा जाता है। मशीनों का paint में हल्का हरा रंग/नीला काफी पॉपुलर है। 5S ने अपने सिस्टम के लिए, कलर की महत्वता को बढ़ाया है। Red card का प्रयोग आपने खेलो में देखा है टेक्सटाइल में भी यह प्रयोग में न करने के लिए, करा जाता है। लाल रंग को अन्य रंगो की बजाय,दूर से भी देख सकते है। एक सफल मेंटेनेंस इंजीनियर मशीन के तेल के कलर को देख, बदलने या ना बदलने की सलाह देता है। जहां पर ऑटोमेटिक वेस्ट निकालने का सिस्टम नहीं होता, वहां डिपार्टमेंट में वेस्ट के बोरो के रंग से, वेस्ट को अलग 2 करा जाता है।
- कार्ड विभाग में लैप रोड्स, डब्बे का कलर या डब्बे पर पट्टी का रंग विभिन्न मैटेरियल या प्रोसेस को दर्शाता है। इस मशीन पर कार्य करने वाले को stopmotion में रंगो के बारे में पता होना जरूरी होता है।
- ड्रॉ फ्रेम में आगे और पीछे के रोलर्स को कलर से पहचान करना न ही क्वालिटी के लिए बल्कि मशीन की मेंटेनेंस के लिए जरूरी होते है। यहां पर रबर cots के कलर, उसकी हार्डनेस यानी हार्ड या सॉफ्ट यानी सिंथेटिक या कॉटन के लिए उपयोगी है। डब्बों का कलर या पट्टी के रंग, फाइबर, मिक्सिंग या सिस्टम के लिए जरूरी है। यहां भी स्टॉपमोशन में लाइट के रंगो को जानना जरूरी है।
- स्पीड frame में अलग 2 hank, fibre, मिक्सिंग इत्यादि को रोविंग बॉबिन के अलग रंग से पहचाना जाता है। स्टॉप मोशन की जानकारी होना आवश्यक है।
- रिंग फ्रेम में रोविंग की बोबिन, और स्पिनिंग बॉबिन के कलर से डिपार्टमेंट में चलने वाले अलग अलग काउंट,और मिक्सिंग को पहचाना जाता है। यहां भी speed फ्रेम की तरह spacer, कोट्स, गाइड्स को रंगो द्वारा पहचान करने का प्रचलन है। यहां ड्राफ्टिंग आर्म में, cam पर विभिन्न रंग द्वारा रोलर पर दवाब रखा जाता है।
- वाइंडिंग विभाग में अलग 2 रंगो की कोन में टिप का प्रयोग, knotter पे टिप, tension weight, wa & पर रंग इत्यादि विभिन्न क्वालिटी को मिक्स होंने से बचाते है।
- पैकिंग में टेप के कलर से, विभिन्न मैटेरियल को मिलने से बचाया जा सकता है।

सावधानियां और कुछ सुझाव

- संस्थान में मॉल मिक्सिंग से बचने के लिए, कलर कोड के बारे में जागरूक होना और करना बहुत जरुरी है। लॉगबुक में नए काउंट में मिक्सिंग से लेकर packing तक में उपयोग होने वाले कलर कोड को साझा करे।
- मशीनों पर कलर कोड की सूचना पेस्ट करें और प्रदर्शित करे।
- अगर निर्धारित कलर के हिसाब से, डब्बे, बोबिन, कोन न मिले।
- अपने स्टॉक की कैलकुलेशन को जांचे
- डिपार्टमेंट में दो काउंट में same रंग के प्रयोग से बचे। अगर प्रयोग में होने वाले कलर को लेना पड़ें,तो उस को पहले पूर्ण रूप से चलने दें, और लॉट रजिस्टर द्वारा सुनिश्चित कर लें कि एक भी बोबिन, कोन, डब्बा पुराने मॉल का डिपार्टमेंट में न पड़ा हो।
- वाइंडिंग में cuts का ध्यान रखें । क्योंकि अगर cuts, निर्धारित से ज्यादा है,तो RF में बॉबिन shortage की संभावना बढ़ सकती हैं।
- स्पिनिंग में गेटिंग के लिए, बॉबिन पहले बना कर रखें।
- खाते में लैप रोड,डब्बों की संख्या, बॉबिन की संख्या, कोन इत्यादि की संख्या, समान सुनिश्चित कर ले।
- जब मिक्सिंग के अन्दर प्रयोग रूई में कोई बदलाव करें, जैसे नई कपास इत्यादि तब लोट नंबर change करे।
- जब भी ट्विस्ट, ड्राफ्ट, स्पीड ईत्यादि में बदलाव हो,तो पुराने मटेरियल को बदले पैरामीटर से मिक्स न करे।
- देखा गया है, कि जब भी हम फाइबर या धागों को कलर करते है, तब जो मैन्युफैक्चरर द्वारा, दिए गए एंटीस्टेटिक में कमी और रेशे के सतही बदलावों को ध्यान में रख कर, बेहतर वर्किंग के लिए,मिक्सिंग में एंटीस्टेटिक का प्रयोग, करना आवश्यक हो जाता है।

ज्योतिषाचार्य द्वारा कपड़ा कारोबार के लिए मई 2025 का आकलन

मुम्बई/आर बी सिंह

मई माह में शनि के उदित रहने व शुक्र के मार्गी रहने के कारण वस्त्रोद्योग तथा अन्य व्यापार जगत में सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित हो रहा है, किंतु 13 मई से बुध के अस्त होने के बाद व्यापार जगत में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकता है। मई के पहले सप्ताह यानि शुरूआती दौर में तारीख 1 से 9 तक गुरू का प्रभाव तीव्र रहेगा, जिसके कारण मोटे अनाज, गुड़, तेल, चाँदी, रूई, कपास आदि के कारोबार में तनिक मंदी का असर दिख सकता है, इसके बावजूद कपास से निर्मित वस्तु सूत, धागे और वस्त्रों के कारोबार में तेजी आ सकती है। तारीख 10 से 15 तक शुक्र के प्रभावी होने से उपज अच्छी होगी, जिस वजह से वृद्धि हो सकती है। घी और तेल सस्ते हो सकते हैं। कुछ दिनों के लिए अन्न और दाल महंगे भी हो सकते हैं। तारीख 16 से 22 तक खाद्य पदार्थों में तेजी का रूख रह सकता है। रूई, सोना, चाँदी आदि पहले महंगे तथा बाद में तनिक मंदे हो सकते हैं। तारीख 23 से 27 तक ड्राई-फ्रूट्स, मसाले, घी, कपास, गुड़, चीनी और तिलहन आदि के कारोबार में तेजी आएगी। माह के आखिरी सप्ताह में धातु और उससे निर्मित वस्तुओं में तेजी आएगी, कारीगरी और श्रम महंगे होंगे तथा सौन्दर्य, किराणा, रूई, सूत और वस्त्र आदि के कारोबार में भी तेजी रहेगी। इसके साथ-साथ धातु और उससे निर्मित वस्तुओं, मशीनरी से संबंधित चीजें शनि और राहु की युति से महंगी होगी। मौसम भी व्यापार को प्रभावित करेगा।

अधिक जानकारी के लिए डॉ. कुंदन ज्योतिषाचार्य से 8887900060 पर संपर्क किया जा सकता है।

नए वित्त वर्ष में कारोबार

पृष्ठ 1 का शेषांश

नए शिक्षा सत्र को देखते हुए भीलवाड़ा की सूटिंग में मांग बनी हुई है। कॉटन सूटिंग की मांग सीमित रही, लेकिन समर सीजन के कारण आगामी दिनों में मांग आने की संभावना है। फिलहाल लिनन में भी उठाव सीमित है। जानकारों का कहना है कि आगामी वैवाहिक सीजन को देखते हुए कॉम्बो पैक की मांग निकली है तथा आगामी दिनों में यह जोर पकड़ सकती है। गत माह ईद की मांग से शर्टिंग में कारोबार साधारण रहा तथा समर सीजन को देखते हुए मांग में तेजी की संभावना है। व्यापारियों का कहना है कि सूटिंग की तुलना शर्टिंग में कारोबार अच्छा बना हुआ है।

वैवाहिक साड़ियों में चुनिंदा खरीद निकली है। व्यापारियों का मानना है कि आगामी दिनों मांग में सुधार होगा, लेकिन अब साड़ियों में कारोबार की वृद्धि दर कम होती जा रही है। उपभोक्ताओं का रूझान लेडीज सूटों की ओर बढ़ता जा रहा है। इसी प्रकार लहंगा-चुनरी की तुलना में लाइटवेट के फैंसी गाउंस का कारोबार अधिक तेजी से बढ़ रहा है तथा महिलाओं का रूझान वेस्टर्न ड्रेस की ओर अधिक हो रहा है। लेडीज सूट्स में कारोबार सदाबहार हो गया है।

कॉटन आयटम - व्यापारियों का कहना है कि कॉटन आयटमों की मांग अच्छी बनी हुई है और आगामी समर सीजन को देखते हुए उठाव अच्छा रहने का अनुमान है। विगत दिनों मिलों ने अनेक कॉटन आयटमों के भाव में वृद्धि की थी। जानकारों के अनुसार पावरलूम निर्माता भी भाव वृद्धि के संकेत दे रहे हैं। कैम्ब्रिक, पोपलीन, लोन, ग्लेज्ड कॉटन की मांग बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि अनेक मिलों ने जनवरी-फरवरी में बुक किए गए आयटमों की डिलिवरी भी नहीं दी है। टू बाई टू रूबिया की मांग सीमित हो गई है और ग्राहक फैंसी ब्लाउज मटीरियल मांग रहा है।

विस्कोस स्टेपल यार्न...

पृष्ठ 22 का शेषांश

मिलों के पास अच्छी गुणवत्ता की सस्ती रूई आयात करने का विकल्प है। अमेरिकी रूई पर चीन द्वारा टेक्स लगाने के बाद अमेरिकी रूई टूट गई है, जिससे डॉलर कमजोर होने से आयात आकर्षक हो गया है। चीन से विस्कोस स्टेपल यार्न का आयात बढ़ा है। एजेंसी की रिपोर्ट है कि भारत में इसका प्रति किलो भाव 198 रू है, जबकि चीन से आयात यार्न का भाव 185 रू है। इस तरह आयातित यार्न प्रति किलो 13 रू सस्ता पड़ रहा है। सस्ते आयात के कारण बाजार में गैर प्रतिस्पर्धा बढ़ने से देश की स्पिनिंग मिलों के लिए संकट खड़ा हो रहा है। तमिलनाडु स्पिनिंग मिल्स एसोसिएशन ने चेताया है कि स्पिनिंग मिलों के बंद होने और बेरोजगारी का खतरा है। एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार के वेंकटचलम ने टेक्सटाइल एवं वाणिज्य मंत्रालय से मांग की है कि इस बारे में तत्काल हस्तक्षेप करें और चीन से हो रहे आयात पर एंटी डम्पिंग शुल्क लगाया जाए। दूसरा कॉटन यार्न को वीवर्स सपोर्ट अधिक नहीं है। यार्न में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव का अनुमान है। कपड़ा बिकते ही वीविंग में यार्न की मांग बढ़ी नहीं कि कॉटन यार्न के भाव बढ़ने लगता है।

चालू सीजन में सीसीआई ने खरीदी 99.41 लाख गांठ कॉटन

बाजार में भाव एमएसपी से नीचे होने का असर

गत वर्ष केवल 32.84 लाख गांठ

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा... कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानि सीसीआई ने एक अक्टूबर से आरंभ हुए कॉटन सीजन वर्ष 2024-25 के दौरान 26 मार्च तक किसानों से लगभग 99.41 लाख गांठ (प्रति गांठ 170 किलो) कॉटन की खरीद की, जबकि गत वर्ष पूरे सीजन कुल खरीद 32.84 लाख गांठ की हुई थी। यह जानकरी विगत दिनों संसद में देते हुए कपड़ा राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरीटा ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान सरकार ने 7.25 लाख किसानों से 11,712 करोड़ रूपए की 32.84 लाख गांठ कॉटन की खरीद की थी। उन्होंने बताया कि कॉटन के भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे जाने पर किसानों को घबराहट पूर्ण बिकवाली से बचाने के लिए सरकार उनसे एमएसपी पर कॉटन की खरीद करती है। इससे पूर्व कोविड के दौरान सरकार ने किसानों से लगभग 105 लाख गांठ कॉटन की खरीद की थी, क्योंकि मिलें और व्यापारी बाजार बाहर रहे थे और भाव गिरकर एमएसपी से नीचे आ गए थे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष देश में कॉटन का उत्पादन कम होने के बावजूद भाव में गिरावट रही, क्योंकि विश्व बाजार में भाव नीचे चल रहे थे। इससे सीसीआई को बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा है।

सीओसीपीसी (कमेटी ऑन कॉटन प्रोडक्शन एण्ड कंजम्पशन) के अनुसार इस वर्ष देश में कॉटन का उत्पादन घटकर 294.25 लाख गांठ रहने का अनुमान है। हालांकि कॉटन उत्पादन कम होने से भाव में तेजी आनी चाहिए, लेकिन न्यूयॉर्क में कॉटन के भाव में भारी गिरावट के बादजूद आयात और देश से कॉटन यार्न का निर्यात सुस्त होने से मिलों की मांग कॉटन के भाव में नरमी रही और सीसीआई की खरीद बढ़ी। जानकारों का कहना है कि सीसीआई ने कुल आवक की लगभग 38 प्रतिशत कॉटन की खरीद की है।

आवक- एक अनुमान के अनुसार 26 मार्च तक देश में कॉटन के कुल उत्पादन में से लगभग 260.11 लाख टन या लगभग 89 प्रतिशत कॉटन बाजार में आ चुकी थी।

खरीद - प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सीसीआई ने 26 मार्च तक सबसे अधिक 40.38 लाख गांठ की आवक तेलंगाना से की है, जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र की खरीद 29.34 लाख गांठ की हुई। इसके अतिरिक्त सीसीआई ने गुजरात में 14.10 लाख गांठ, कर्नाटक में 5.22 लाख गांठ, मध्यप्रदेश में 3.95 लाख गांठ, आंध्रप्रदेश में 3.83 लाख गांठ और ओडिशा में 2.06 लाख गांठ की खरीद की गई। इसके अतिरिक्त राजस्थान और हरियाणा में भी कॉटन की सीमित खरीद की गई है।

बिक्री- इसी बीच सीसीआई ने खरीदी गई कॉटन की बिक्री आरंभ कर दी है। जानकारों का कहना है कि गत वर्ष खरीदी गई कॉटन की अधिकांश मात्रा बिक चुकी है, जबकि चालू सीजन में कॉटन की बिक्री को धीमा रिस्पॉन्स मिला है।

अनिश्चितता- जानकारों का कहना है कि कि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से विश्व के लगभग सभी देशों से अमेरिका द्वारा आयात शुल्क लगा देने से बाजार में अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। इस शुल्क वृद्धि के बाद विभिन्न देशों से अमेरिका को निर्यात घटेगा और वहाँ की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, जो कॉटन सहित अनेक वस्तुओं की मांग पर विपरीत असर डालेगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में 9 अप्रैल से भारत से किए जाने वाले आयात पर 26 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा की है। देश से टेक्सटाइल व रेडीमेड गारमेण्ट का सबसे अधिक निर्यात केवल अमेरिका और यूरोपीय देशों को किया जाता है। अब अमेरिका के लिए आयात महंगा होने से वहाँ पर भारतीय वस्तुओं के भाव अधिक होने के कारण मांग प्रभावित हो सकती है।

एमएलवी टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग कॉलेज का पांच दिवसीय ऑनलाइन फेकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

भीलवाड़ा

माणिक्य लाल वर्मा टेक्सटाइल एण्ड इंजीनियरिंग कॉलेज के टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से पाँच दिवसीय ऑनलाइन फेकल्टी डवलपमेण्ट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रोग्राम का विषय "Functional And Sustainable Textiles: Future Trends And Innovations" था। इसमें विभिन्न विशेषज्ञों ने अपनी विशेष अंतर्दृष्टि साझा की और टेक्सटाइल उद्योग में हो रहे नवाचारों पर चर्चा की।

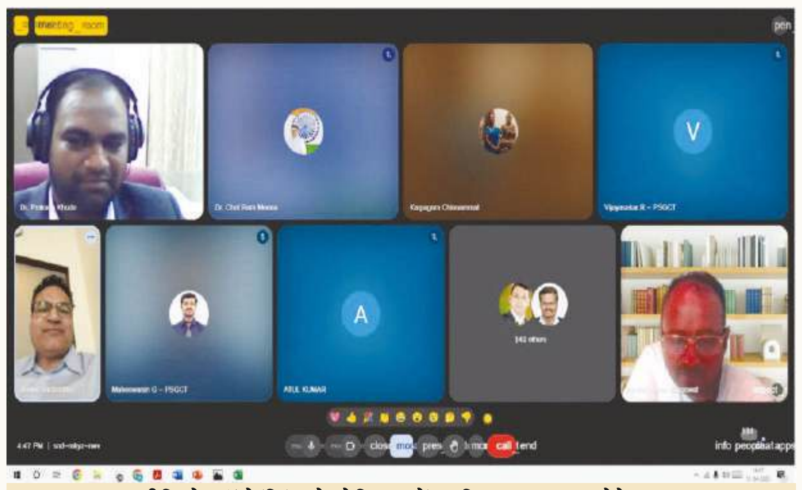

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सेमिनार में शामिल हुए अन्य प्रोफेसर।

टेक्सटाइल उद्योग में नवाचार

पहले दिन प्रोफेसर श्री बी. के. बेहरा, TITs भिवानी ने 3डी वीविंग का उपयोग करते हुए फैब्रिक कम्पॉजिट विकास पर चर्चा की। इसके बाद डॉ. सौम्या चौधरी ने टेक्सटाइल-रीइंफोर्स्ड कम्पोजिट्स के निर्माण पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। दूसरे दिन प्रोफेसर श्री राजीव के. वार्ष्णेय ने टेक्सटाइल में उभरते रूझानों पर प्रकाश डाला। डॉ. विजय बाहेती ने टेक्सटाइल वेस्ट को उच्च सामग्री में परिवर्तित करने की प्रक्रिया पर चर्चा की। डॉ. सुजीत गुल्हाने ने समुद्री शैवाल के माध्यम से पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुकूल वस्त्रों के निर्माण के बारे में बताया और प्रोफेसर श्री अमित रावल ने नॉनवोवन तकनीक के विविध अनुप्रयोगों का परिचय दिया। तीसरे दिन डॉ. कामेश्वर राव ने सुपर एब्सॉर्बेंट फाइबर के उन्नत अनुप्रयोगों पर चर्चा की, जबकि डॉ सुमित शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ बोरास, स्वीडन ने नए उत्पादों के विकास के महत्व पर जोर दिया। श्री विनोद पुरोहित ने टेक्सटाइल गुणवत्ता सर्कल के महत्त्व को समझाया और डॉ. बिभु प्रसाद दास ने टेक्सटाइल क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी के अनुप्रयोग और उनकी प्रासंगिकता पर जोर दिया। चौथे दिन प्रोफेसर श्री अनुपम कुमार ने जैविक टेक्सटाइल के इको सिस्टम पर प्रभाव की चर्चा की।

डॉ. पतंजल कुमार ने स्थायी टेक्सटाइल आपूर्ति श्रृंखला में रणनीतिक समन्वय पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. अजय कुमार ने भारतीय ऊन में स्थायी मूल्य संवर्धन के तरीकों पर चर्चा की। दिन का समापन डॉ. नंदन कुमार के सुरक्षात्मक वस्त्रों के व्याख्यान के साथ हुआ।

सम्मेलन के अंतिम दिन विशेषज्ञों ने टेक्सटाइल उद्योग में नवीनतम नवाचारों पर चर्चा जारी रखी। डॉ. ललित जाजपुरा ने अल्ट्रासाउंड तकनीक के अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. मुकेश बाजया ने बैलिस्टिक अनुप्रयोगों के लिए टेक्सटाइल की भूमिका की व्याख्या की। डॉ. सी. आर. मीना ने फैशन उद्योग में नवाचारी दृष्टिकोण और स्थायित्व पर विचार साझा किए। समापन में डॉ. प्रकाश खुडे ने सुरक्षात्मक वस्त्रों के महत्त्व और उनकी उन्नति पर जोर दिया।

सेमिनार को संबोधित करते टेक्सटाइल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद वशिष्ठ।

समापन समारोह में टेक्सटाइल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद वशिष्ठ द्वारा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस के सिंह एवं सभी वक्ताओं का सम्मान किया गया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह पाँच दिवसीय कार्यक्रम न केवल नवीनतम तकनीक और रचनात्मक प्रवृत्तियों को उजागर करने में सहायक रहा, बल्कि टेक्सटाइल उद्योग को एक नया दृष्टिकोण प्रदान करने में भी सफल रहा। इस प्रोग्राम के समन्वयक डॉ. हर्षवर्धन सारस्वत रहे।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026 RNI Registration No. 71772/98

JAIKUMAR BATHIJA
9320046104
9820256104

(Since 1984)

ROHIT BATHIJA
9820046104
9702046104

A Trusted Name In Textiles
Bathija
FABRICS
ISO 9001:2015 CO./ISO 14001:2015 (India)

JAIKUMAR ARJANDAS

Mfg. & Exports of: All Types of Uniforms, Plain, Toabh Fabrics

Sales Off.: Shop No. 12, 13, 15, Ground Floor, Kakad Market 306, Kalbadevi Road, Mumbai - 02, Tel: 022-2240026104/ 22016987 / 9819323009
Website: www.bathijafabrics.com |Email: bathijafabrics@yahoo.com

Corp.: H. No. 1058, Gala No. 201 to 206, 2nd Floor, Bldg. No. 1, Nav Durga Compound, Val. Village, Opp. Radha Krishna Hotel, Bhiwandi- 421302
Email: jaikumar@bathijafabrics.com | rohit@bathijafabrics.com

कॉटन यार्न में तेजी

विस्कोस स्टेपल यार्न का आयात बढ़ा

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय... कॉटन यार्न की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। गर्मी के दिन होने से वीविंग इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन इतना अधिक नहीं है कि कॉटन यार्न की खपत अधिक हो गई हो और हाजिर बाजार में माल की आपूर्ति कम हो गई हो। फिर भी कॉटन यार्न के भाव बढ़े हैं। यद्यपि भाव अभी बहुत अधिक नहीं बढ़े हैं, इससे कपड़ों की लागत बढ़ती है और सूती ग्रे कपड़ों पर इसका असर दिखाई दिया है। जैसे ही कॉटन यार्न के भाव कुछ बढ़े, वैसे ही पहले से कमजोर मांग को फिर से धक्का लगा है। स्पिनिंग मिलों में यार्न उत्पादन कटौती की कोई खबर नहीं है। मिलों को उचित मूल्य पर रूई मिल रही है। सीसीआई के पास एक करोड़ गांठ से अधिक रूई का स्टॉक होने और जुलाई तक स्टॉक बेचने के निर्णय से स्पिनिंग मिलों को कॉटन यार्न का उत्पादन करने के लिए रूई की कमी होने की संभावना नहीं है, उल्टा प्रतिस्पर्धी भाव में रूई मिलने की उम्मीद है।

शेषांश पृष्ठ 10 पर...

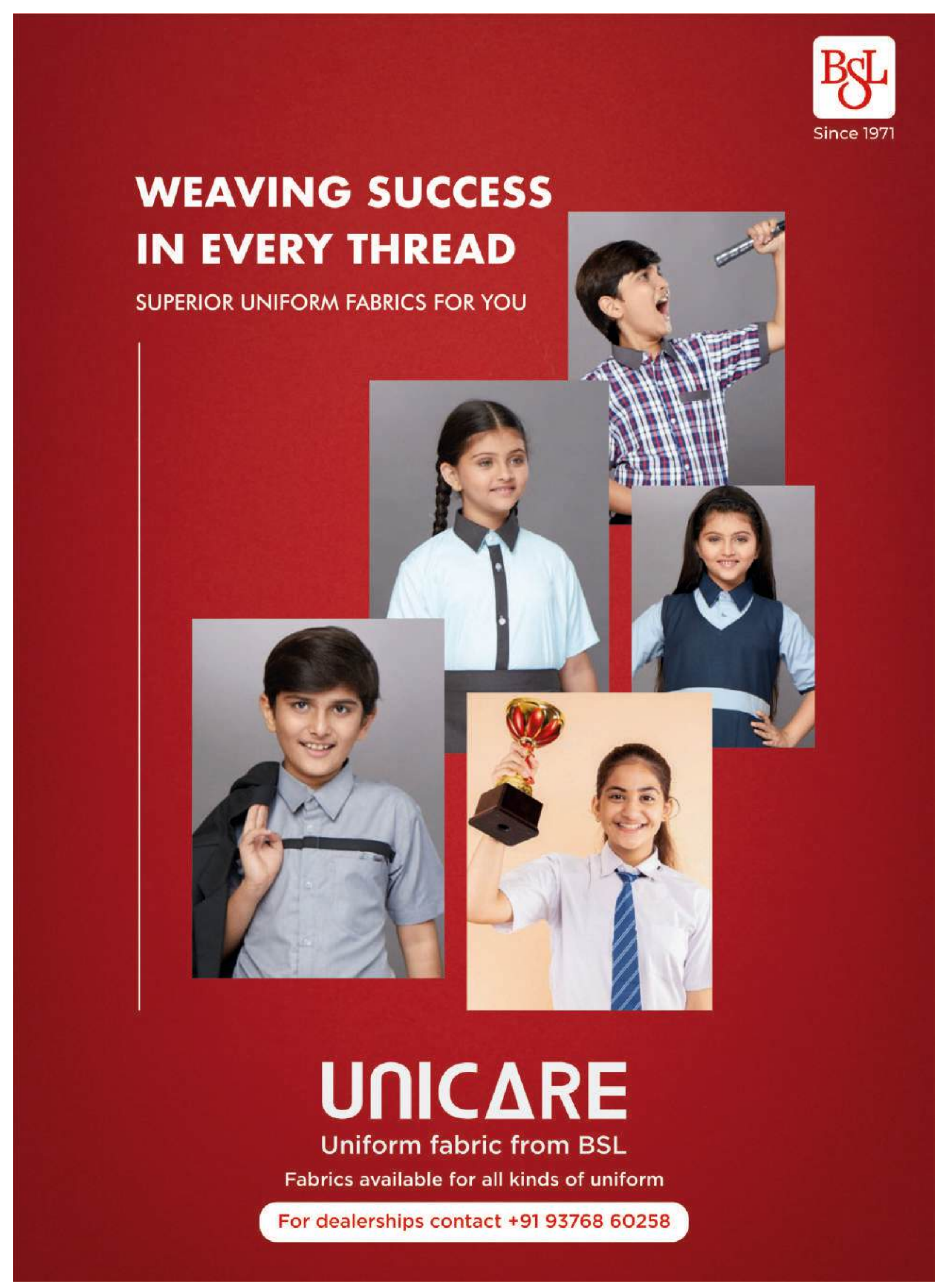

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।

22 अप्रैल से 6 मई, 2025

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate

अजमेरा फैशन ने लॉन्च किया प्रीमियम किड्सवियर फ्रैंचाइज़ी ब्रांड लिटिल विंग्स

सूरत/ भारत की प्रमुख टेक्सटाइल और एथनिक वियर कंपनी अजमेरा फैशन ने अपने नए प्रीमियम किड्सवियर फ्रैंचाइज़ी ब्रांड 'लिटिल विंग्स' की शानदार लॉन्चिंग 7 अप्रैल को सूरत के सुराना 101 में की। इस अवसर पर अजमेरा ग्रुप की सीनियर लीडरशिप और कई खास मेहमान मौजूद रहे। 120 से ज़्यादा आउटलेट्स के साथ पहले ही देशभर में प्रसिद्ध हो चुके ब्रांड अजमेरा ट्रेंड्स की सफलता के बाद अब कंपनी बच्चों के फैशन सेगमेंट में कदम रख रही है। इस नए ब्रांड की शुरुआत अजमेरा फैशन के फाउंडर एण्ड सीईओ श्री अजय अजमेरा की दूरदर्शिता का नतीजा है। उन्होंने यह अहम बात पहचानी कि भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में जहाँ साड़ी, लहंगा और मेंस वियर के कई ब्रांड्स हैं, वहीं किड्सवियर सेगमेंट में ब्रांडेड और ऑर्गेनाइज्ड विकल्पों की बहुत कमी है। 'लिटिल विंग्स' इसी कमी को पूरा करने के उद्देश्य से लाया गया है।

बॉयज एवं गर्ल्स किड्स के लिए कंप्लीट रेंज- **'लिटिल विंग्स'** में 0 से 15 साल तक के बच्चों के लिए फ्रॉक, डेनिम, एथनिक वियर, टी-शर्ट, शॉर्ट्स, कैज़ुअल और पार्टी वियर जैसे सभी कपड़े मिलेंगे।

ब्रांड की खासियत... सुपर सॉफ्ट फैब्रिक, क्यूट डिज़ाइन्स और अफोर्डेबल प्राइसिंग। लॉन्च इवेंट में श्री अजय अजमेरा ने कहा, ''हमारा मिशन है कि हम छोटे शहरों में रहने वाले परिवारों तक अच्छा, कंफर्टेबल और वैल्यू-फॉर-मनी किड्स वियर पहुँचाएं। हम **'लिटिल विंग्स'** ब्रांड की शुरुआत उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से कर रहे हैं, जहाँ लोगों की अपेक्षाएँ बड़ी है लेकिन विकल्प सीमित हैं''

'लिटिल विंग्स' एक फ्रैंचाइज़ी-ओन्ड मॉडल पर काम करेगा और फिलहाल फ्रैंचाइज़ी के लिए आवेदन खुल चुके हैं। ब्रांड का शुरुआती फोकस छोटे शहरों और कस्बों में विस्तार करना है, जहाँ किड्सवियर की डिमांड लगातार बढ़ रही है। ब्रांड लॉन्चिंग कार्यक्रम में अजमेरा फैशन के सी.एफ.ओ. श्री विजय अजमेरा, एम.डी श्री मोहित अजमेरा, वी.पी. श्री तरुण शर्मा, फ्रैंचाइज़ी हेड श्री सिद्धार्थ, फ्रैंचाइज़ी मैनेजर श्री राहुल , मार्केटिंग मैनेजर श्री शांतनु आष्टिकर और अन्य प्रमुख टीम मेंबर्स मौजूद थे। 'लिटिल विंग्स' की लॉन्चिंग न सिर्फ अजमेरा फैशन के लिए एक नया अध्याय है, बल्कि भारत के उद्यमियों के लिए भी एक शानदार अवसर लेकर आया है।

देश की सबसे बड़ी फैब्रिक एग्जीबिशन

फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो

11 से 14 मई 2025 को गांधीनगर-अहमदाबाद में होगी आयोजित

श्री गौरांग भगत
प्रेसीडेंट, एमसीएमएम

अहमदाबाद/ अपेरल सेक्टर के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुके 'फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' के 10th एडीशन का आयोजन 11-14 मई 2025 को हेलीपेड ग्राउण्ड, गांधीनगर (अहमदाबाद) में होने जा रहा है। मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन (MCMM) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली इस एग्जीबिशन में अहमदाबाद के टॉप गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता बड़े स्तर पर भाग लेते हैं। इस बार 'फैबेक्सा' एग्जीबिशन का आयोजन पहले से बेटर एवं बिग लेवल पर होने जा रहा है। MCMM के प्रेसीडेंट श्री गौरांग भगत ने कहा कि 'फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' अब गारमेण्ट सेक्टर के लिए वन स्टॉप सोल्यूशन बन चुका है। एग्जीबिशन में कॉटन सूटिंग-शर्टिंग, डेनिम, ब्लेंडेड फैब्रिक्स, निटेड एवं होजियरी फैब्रिक्स, ड्रेस मटीरियल जैसे समस्त प्रकार के गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं द्वारा भव्य सामूहिक डिस्प्ले किया जाएगा। श्री भगत ने कहा कि अहमदाबाद के युवा उद्यमी इस बार बहुत अच्छी तैयारी के साथ फैबेक्सा एग्जीबिशन में भाग ले रहे हैं। आगामी सीजंस के लिए नये-नये फैब्रिक्स इनोवेशंस एवं डवलपमेण्ट्स फैब्रिक निर्माताओं द्वारा किए गए हैं, जिनका भव्य डिस्प्ले एग्जीबिशन में किया जाएगा। श्री भगत ने कहा कि अहमदाबाद कॉटन फैब्रिक्स का हब बना चुका है। मेन्स, वूमेंस, किड्स वियर गारमेण्ट्स के लिए यहाँ पर बड़े स्तर पर प्रीमियम कॉटन फैब्रिक्स का उत्पादन हो रहा है। देश के सभी पोपुलर अपेरल ब्राण्ड्स आज फैब्रिक सोर्सिंग के लिए अहमदाबाद का रूख करने लगे हैं, यह यहाँ के युवा उद्यमियों के जोश, जुनून एवं क्रिएशन का ही कमाल है। सालों से अहमदाबाद टेक्सटाइल इण्डस्ट्री की प्रगति में एक साधक के रूप में यहाँ के युवा उद्यमियों ने नियमित नवाचारों से देश के अपेरल निर्माताओं का दिल जीता है। इनके प्रयास की बदौलत ही 'फैबेक्सा एग्जीबिशन' नवीनतम फैब्रिक इनोवेशन के प्रजेंटेशन का उत्कृष्ट प्लेटफॉर्म बनकर उभरी है।

गारमेण्ट सेक्टर के लिए सुनहरा अवसर

श्री बाबू लाल सोनीगरा
डायरेक्टर, भावना इम्पेक्स
ट्रेजरार, एमसीएमएम

'देश की गारमेण्ट इण्डस्ट्री के लिए वर्ष 2025-26 बहुत अच्छा रहने वाला है। अमेरिका द्वारा लगाए गए इम्पोर्ट टैरिफ से भारत को फायदा होता नजर आ रहा है। यार्न, ग्रे फैब्रिक एवं प्रोसेसिंग दरें भी स्टेबल होने से फैब्रिक उत्पादन में इस बार किसी तरह का गतिरोध नहीं है। ऐसे में यह साल फैब्रिक निर्माताओं से लेकर पूरी गारमेण्ट वैल्यू चेन के लिए बेहतरीन रहने वाला है।' ये विचार व्यक्त करते हुए MCMM के कोषाध्यक्ष श्री बाबू लाल सोनीगरा ने बताया कि 'फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' का 10th एडीशन बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पहले से ज्यादा एग्जीबिटर्स फैब्रिक डिस्प्ले करेंगे। देश की समस्त गारमेण्ट मण्डियों के व्यापारियों, एक्सपोर्टर्स, बाइंग हाउसेस, ट्रेडर्स, एजेंट्स को आमंत्रित किया गया है। इस बार एग्जीबिशन के दौरान 13 मई को फैशन शो का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें रजिस्टर्ड एक्जीबिटर्स के फैब्रिक्स से बने गारमेण्ट्स पहनकर मॉडल्स रेम्प वॉक करेंगे। आमंत्रित व्यापारियों के लिए एयर टिकिट, फाइव स्टार होटल स्टे एण्ड फूड जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएगी।

FABEXA® AHMEDABAD FABRIC SOURCING EXPO EDITION X

फैशन शो एवं फाइव स्टार फेसिलिटी

'फैबेक्सा-फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' के 10th एडीशन का आयोजन इस बार धमाकेदार होने वाला है। गारमेण्ट ट्रेड इंडस्ट्री से जुड़े व्यापारियों के लिए यह ग्राण्ड एग्जीबिशन विशाल एवं व्यापक स्तर पर होने जा रही है। देश की समस्त गारमेण्ट मण्डियों के टॉप ब्राण्ड्स को एग्जीबिशन के लिए आमंत्रित किया गया है। व्यापारियों के आने जाने के लिए एयर टिकिट, फाइव स्टार होटल दी लीला (गांधीनगर) में स्टे फेसिलिटी एवं एग्जीबिशन के दौरान बेहतरीन फूड की व्यवस्था रहेगी। साथ ही इस बार 13 मई को फैशन शो का भी भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक्जीबिटर्स द्वारा निर्मित परिधान पहनकर मॉडल्स जलवा बिखेरेंगे। जिसमें ट्रेड विजिटर्स को अपने पसंदीदा ब्राण्ड के प्रॉडक्ट को नजदीक से फील करने का मौका मिलेगा।

रिपोर्ट: सत्यप्रकाश

AW-2025 & SS-2026 सीजन की तैयारी के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन

गारमेण्ट निर्माताओं के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन

श्री अमीष शाह
डायरेक्टर, शाश्वत टेक्सटाइल्स
चेयरमैन, फैबेक्सा फेयर कमेटी

फैबेक्सा फेयर कमेटी के चेयरमैन एवं शाश्वत टेक्सटाइल्स प्रा. लि. के युवा डायरेक्टर श्री अमीष शाह ने कहा कि एग्जीबिटर्स जबरदस्त उत्साह के साथ 'फैबेक्सा' में भाग ले रहे हैं। AW- 2025 एवं SS-2026 सीजन के लिए एग्जीबिटर्स द्वारा विस्तृत फैब्रिक रेंज प्रदर्शित की जाएगी। गारमेण्ट उद्योग से जुड़े हर व्यापारी अर्थात् अपेरल निर्माता, ट्रेडर्स, एजेंट्स, बाइंग हाउसेस, एक्सपोर्टर्स सभी के लिए फैबेक्सा एग्जीबिशन बेहतरीन प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। इस बार 'फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' का 10th एडीशन हैं, जिसमें सभी एग्जीबिटर्स बहुत अच्छी तैयारी के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले हैं। आमंत्रित व्यापारियों के लिए ट्रेवलिंग, होटल स्टे, फूड जैसी समस्त सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएगी। श्री शाह ने कहा की इस बार 'फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' में फैशन शो का भी भव्य आयोजन प्रस्तावित है। एग्जीबिटर्स अपने-अपने स्तर पर बहुत अच्छी प्लानिंग के साथ नए-नए फैब्रिक डवलपमेण्ट्स पेश करने वाले हैं। ओवर ऑल रेडीमेड गारमेण्ट निर्माण से जुड़े हर छोटे-बड़े उद्यमी एवं ब्राण्ड्स को इस एग्जीबिशन में जरूर विजिट करना चाहिए। साथ ही टैरिफ वॉर के चलते भारत के पक्ष में बनी स्थिति का भी लाभ उठाना चाहिए।

पहले से बेटर एवं बिगर होगी 'फैबेक्सा'

श्री अंकित सेठ
डायरेक्टर, पानम टेक्स फैब
सेक्रेट्री, फैबेक्सा फेयर कमेटी

'फैबेक्सा' एग्जीबिशन का 10th एडीशन इस बार भव्य एवं बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। देश की समस्त गारमेण्ट मण्डियों के टॉप व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। सभी मण्डियों से पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। एग्जीबिटर लेवल पर बहुत अच्छी तैयारियाँ की जा रही है। नये-नये फैब्रिक डवलपमेण्ट एवं इनोवेशंस फैब्रिक निर्माताओं द्वारा किए गए हैं, जिनका प्रजेंटेशन एग्जीबिशन में किया जाएगा। आमंत्रित व्यापारियों के लिए वीआईपी व्यवस्थाएं की गई, जिसमें फाइव स्टार होटल दी लीला गांधीनगर (अहमदाबाद) में रूकने की व्यवस्था से लेकर फूड एवं ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएँ प्रदान की जाएगी। विजिटर्स के लिए रजिस्ट्रेशन की अलग व्यवस्था की गई है।' यह जानकारी देते हुए फैबेक्सा फेयर कमेटी के सेक्रेटरी एवं प्रीमियम सूटिंग फैब्रिक उत्पादन में अग्रणी कम्पनी पानम टेक्स फैब प्रा. लि. के युवा डायरेक्टर श्री अंकित सेठ ने बताया कि गारमेण्ट फैब्रिक उत्पादन में अहमदाबाद का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। आज देश में जिसको प्रीमियम क्वालिटी का कॉटन सूटिंग-शर्टिंग चाहिए, उसे अहमदाबाद से ही खरीदी करनी पड़ती है। हर बड़े अपेरल ब्राण्ड्स की फैब्रिक सोर्सिंग यहीं से होती है। इसलिए गारमेण्ट इंडस्ट्रीज से जुड़े समस्त व्यापारियों को इस बार की फैबेक्सा एग्जीबिशन जरूर विजिट करनी चाहिए।

फैबेक्सा: फैब्रिक सोर्सिंग का बड़ा प्लेटफॉर्म

श्री सोनू टेकवानी
डायरेक्टर, श्री महादेव टेक्स फैब
को-चेयरमैन, फैबेक्सा

फैबेक्सा फेयर कमेटी के कॉ-चेयरमैन एवं प्रीमियम सूटिंग फैब्रिक निर्माता कम्पनी श्री महादेव टेक्स फैब प्रा. लि. के युवा डायरेक्टर श्री सोनू टेकवानी ने कहा कि इस बार फैबेक्सा एग्जीबिशन कई मायनों में खास होने जा रही है। देश की अपेरल इंडस्ट्री के लिए आगामी दिवाली एवं विण्टर सीजन की तैयारी के लिए फैब्रिक सलेक्शन किया जा सकेगा। इस बार फैबेक्सा में भाग ले रहे एग्जीबिटर्स बहुत अच्छी फैब्रिक रेंज का प्रस्तुतिकरण करने वाले हैं। कॉटन सूटिंग-शर्टिंग में नये-नये आकर्षक डिजाइनर कलेक्शन का भव्य डिस्प्ले किया जाएगा, वहीं एग्जीबिशन का जो समय 11-14 मई चुना गया है, वो गारमेण्ट सेक्टर के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का सबसे उपयुक्त समय है, क्योंकि जुलाई एवं अगस्त माह में रेडीमेड गारमेण्ट एग्जीबिशंस होते हैं। ऐसे में अपेरल निर्माताओं के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का यह सबसे उपयुक्त समय है। इस एग्जीबिशन में देश की समस्त गारमेण्ट मण्डियों से व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। मेरे अनुमान से पिछली एग्जीबिशन के आधार पर इस बार फैबेक्सा में 10 से 15 हजार ट्रेड विजिटर्स शिरकत करेंगे।

Siyaram's की जम्मू कॉन्फ्रेंस 'शिखा टेक्सटाइल' के तत्वावधान में सम्पन्न

गुल्लू जी की विश्वसनीयता, रिषभ अरोड़ा का संकल्प शिखा टेक्सटाइल

अमृतसर/ देश के लोकप्रिय ब्राण्ड सियाराम्स ने उत्तर भारत के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी होलसेल संस्थान 'शिखा टेक्सटाइल' के तत्वावधान में आगामी सीजन के लिए जम्मू में रिटेल कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया।

दिवंगत श्री गुलशन अरोड़ा (गुल्लू जी) के करकमलों द्वारा स्थापित 'शिखा टेक्सटाइल' ने वस्त्र व्यवसाय जगत में नए कीर्तिमान स्थापित किए है। उनकी कर्मठ कार्यशैली और व्यापारिक रिश्तों में बनी साख को कभी भुलाया नहीं जा सकता तथा विरासत में मिली इसी कर्त्तव्यपरायणता और नए संकल्प के साथ उनके युवा सुपुत्र श्री रिषभ अरोड़ा 'शिखा टेक्सटाइल' को नए आयाम पर पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी आदर्श एवं विचारधारा के साथ आगामी सीजन हेतु जम्मू कॉन्फ्रेंस का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान 'शिखा टेक्सटाइल' के डायरेक्टर श्री रिषभ अरोड़ा, जनरल मैनेजर श्री विनोद भाटिया एवं सियाराम्स के सम्माननीय एजेंट श्री गौरव मल्होत्रा के साथ ही गणमान्य व्यापारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर जम्मू रिटेल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया गया।

श्री रमेश पौद्दार

श्री गुल्लू जी की कमी सदैव खलती रहेगी। उनकी व्यापारिक कुशलता का कोई तोड़ नहीं था, परंतु उनके युवा सुपुत्र रिषभ अरोड़ा में नेतृत्व का नया दृष्टिकोण है। टेक्सटाइल व्यापार संवर्धन के लिए युवा उद्यमियों की भागीदारिता आवश्यक है। आज के युवाओं को विरासत में मिल रही व्यापारिक सोच को और परिपक्वता से अपने व्यवसाय को नई गति प्रदान करने की भरपूर योग्यता है। आवश्यकता है तो बस दृढ़ संकल्प और आत्म विश्वास की। रिषभ अरोड़ा का नेतृत्व अवश्य अन्य युवा उद्यमियों को विकासशील भारत की यात्रा में अपनी सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने में प्रेरणा स्त्रोत बनेगा। अपने पिता श्री गुल्लू जी द्वारा मिले अनुभवों के आधार पर वे 'शिखा टेक्सटाइल' को और मजबूती प्रदान करेंगे। मैं श्री रिषभ अरोड़ा को कुशल नेतृत्व के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

पिता श्री गुलशन अरोड़ा (गुल्लू जी) से विरासत में मिले व्यावसायिक अनुभवों और आत्मीयता के संस्कारों को यथोचित पूरा करने का प्रयास करूंगा, यह कहना है 'शिखा टेक्सटाइल' के डायरेक्टर श्री रिषभ अरोड़ा का। उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बताया कि यह कॉन्फ्रेंस पिता श्री गुल्लू अरोड़ा को श्रद्धाञ्जलि के रूप में समर्पित की गई। इस कॉन्फ्रेंस में जम्मू क्षेत्र के तमाम प्रतिष्ठित रिटेलर्स ने शिरकत कर इसे बेहद सफल बनाया। उन्होंने कहा कि पिता श्री गुल्लू जी के दिए मूल्यों को जीवंत रखना ही उनका उद्देश्य रहेगा तथा आगामी समय में 'शिखा टेक्सटाइल' की पूरी टीम वस्त्र व्यवसाय में कुछ नया करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगी।

व्यापारिक फीडबैक

इस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित व्यापारियों का कहना था कि श्री रिषभ अरोड़ा में उनके पिता गुल्लू जी की छवि नजर आती है। वही लहजा, वही आत्मीयता एवं शब्दों का संयोजन और साथ ही पुरजोर नेतृत्व क्षमता, जो अपनी टीम को एक साथ लेकर 'शिखा टेक्सटाइल' को नए मार्ग पर प्रशस्त करेगी। इस कॉन्फ्रेंस में श्री रिषभ अरोड़ा के नेतृत्व में पूरी टीम नए उत्साह एवं जोश के साथ नजर आई। साथ ही व्यापारियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

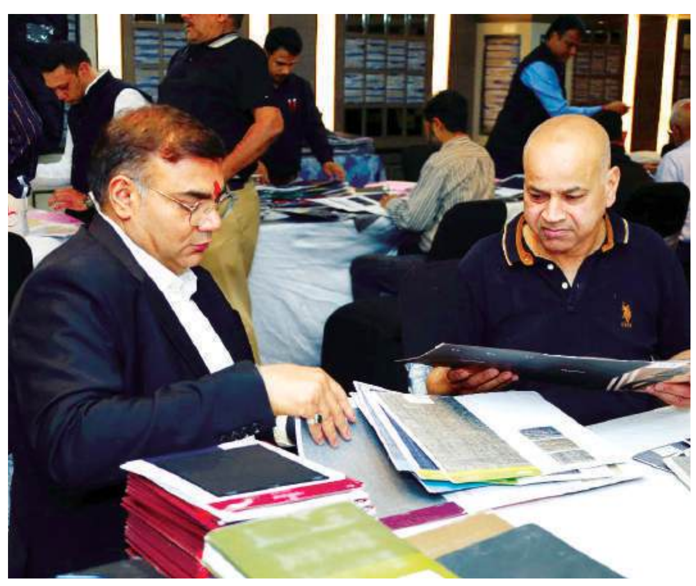

केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने भीलवाड़ा में टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के नवनिर्मित बहुउद्देशीय भवन का किया लोकार्पण

भारतीय टेक्सटाइल उद्योग में भीलवाड़ा का अहम योगदान -केन्द्रीय वस्त्र मंत्री

टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन आम उद्यमियों के लिए व्यापक हित में कार्य करने वाला संगठन -सांसद श्री दामोदर अग्रवाल

भीलवाड़ा/ ललित शर्मा

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत टेक्सटाइल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। टेक्सटाइल के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति में भीलवाड़ा जिले का अहम योगदान है। केंद्र व राज्य सरकार के समन्वय से भीलवाड़ा को आगामी समय में टेक्सटाइल के क्षेत्र में ओर भी ज्यादा नई ऊँचाइयों पर ले जाया जाएगा। यह बात केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 15 अप्रैल 2025 को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के बहुउद्देशीय भवन के लोकार्पण समारोह में उद्यमियों को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के नवनिर्मित बहुउद्देशीय भवन का मोली बंधन खोलकर व शिला पट्टिका से पर्दा हटाकर लोकार्पण किया। केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की ओर अग्रसर है। इसी के अंतर्गत वस्त्र मंत्रालय ने रोड़मैप तैयार कर भविष्य में टेक्सटाइल व व्यापार की चुनौतियों को पूरी करते हुए उत्पादन व निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार कार्य कर रही है। केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 से पूर्व देश में लगभग 19 लाख करोड़ का एक्सपोर्ट प्रतिवर्ष करता था, जो कि बढ़कर वर्तमान में लगभग 80 लाख करोड़ से ज्यादा का एक्सपोर्ट प्रतिवर्ष कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश में एग्रीकल्चर क्षेत्र के पश्चात दूसरा सबसे बड़ा रोजगार मिलने का माध्यम टेक्सटाइल व व्यापार का क्षेत्र है, जहाँ ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार प्राप्त होता है ।

केंद्रीय मंत्री ने सांसद श्री दामोदर अग्रवाल व स्थानीय उद्यमियों द्वारा बताई गई समस्याओं व जरूरतों को पूरा करने के प्रति आश्वस्त करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार के आपसी समन्वय व मजबूती से टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य करते हुए भीलवाड़ा से जुड़े समस्त उद्यमियों की समस्याओं व जरूरतो को पूरा करने का कार्य किया जाएगा। सांसद व भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन व्यापक हित में आम उद्यमियों व व्यवसायी के हित में कार्य करने वाला संगठन है। टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन समय-समय पर उद्यमियों की समस्याओं व हितो के लिए केंद्र व राज्य सरकार के संपर्क में रहकर अपनी भूमिका का निर्वहन करता रहा है।

सांसद श्री अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को भीलवाड़ा के उद्यम व टेक्सटाइल क्षेत्र में की गई प्रगति के बारे में आ रही समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने समस्त समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु आश्वस्त किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने औद्योगिक संगठनों व उद्यमियों से संवाद किया। भीलवाड़ा आगमन पर केंद्रीय मंत्री का सांसद श्री दामोदर अग्रवाल, विधायक श्री अशोक कोठारी सहित टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के पदाधिकारियों व उद्यमियों ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं प्रबंधन टेक्सटाइल फेडरेशन के वाइस प्रेसीडेंट श्री प्रेमस्वरुप गर्ग द्वारा किया गया एवं श्री गर्ग ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में विधायक श्री अशोक कोठारी, जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह, महापौर श्री राकेश पाठक, टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष श्री श्याम चांडक, कार्यकारी अध्यक्ष श्री तिलोक छाबड़ा, नितिन स्पिनर्स के एमडी श्री दिनेश नौलखा, आरसीएम के एमडी श्री सौरभ छाबड़ा, आरएसडब्ल्यूएम के हेड श्री एनके बहेड़िया एवं आरएसडब्ल्यूएम के प्रतिनिध श्री वाईडी तिवाडी, बिरला टेक्सटाइल ग्रुप के प्रतिनिधि श्री बलराज आचार्य, संगम ग्रुप के एमडी एस एन मोदानी, मेवाड़ चेंबर से श्री आर के जैन, सुदिवा स्पिनर्स के एमडी श्री जे. सी लड्ढा, भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के संस्थापक सदस्य श्री रामेश्वर काबरा, श्री मुकुन सिंह राठौड़, श्री प्रेमस्वरूप गर्ग व श्री पारसमल बोहरा सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य व उद्यमीगण मौजूद रहे।

वस्त्र मंत्री ने किया फायर प्रूफ कपड़े पर बने रामलला के पोस्टर का विमोचन

इस अवसर पर टेक्निकल टेक्सटाइल पर प्रयोग किया, जिसके अंतर्गत निर्मित कपड़े पर भगवान राम के बाल स्वरूप को उकेरा गया। जिसका लोकार्पण केंद्रीय मंत्री के हाथों किया गया और मंत्री महोदय ने काफी सराहा। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में मुम्बई व भीलवाड़ा एंटरप्रेन्योर्स व आइट्स (AITTIS) स्टार्टअप के सदस्य अंकिता जी, नमन जी जैन, प्रवीण जी, दयाल जी मेहता के संकल्प द्वारा अथक प्रयास करके यह कार्य किया गया। श्री दयाल मेहता, जो पेशे से टेक्निकल टेक्सटाइल इंजीनियर है, जिन्होंने बताया कि यह विशेष टेक्निकल टेक्सटाइल कपड़ा है, जो पूर्णतया फायर प्रूफ है और वर्तमान में चलने वाले फ्लेक्स व प्लास्टिक का अत्यंत उत्तम रिप्लेसमेंट है और खासतौर पर इकोफ्रेंडली भी है। इस तकनीक से भगवान राम की माइक्रो 3D रूप में अत्यंत मनमोहक रूप में दर्शन होते हैं।

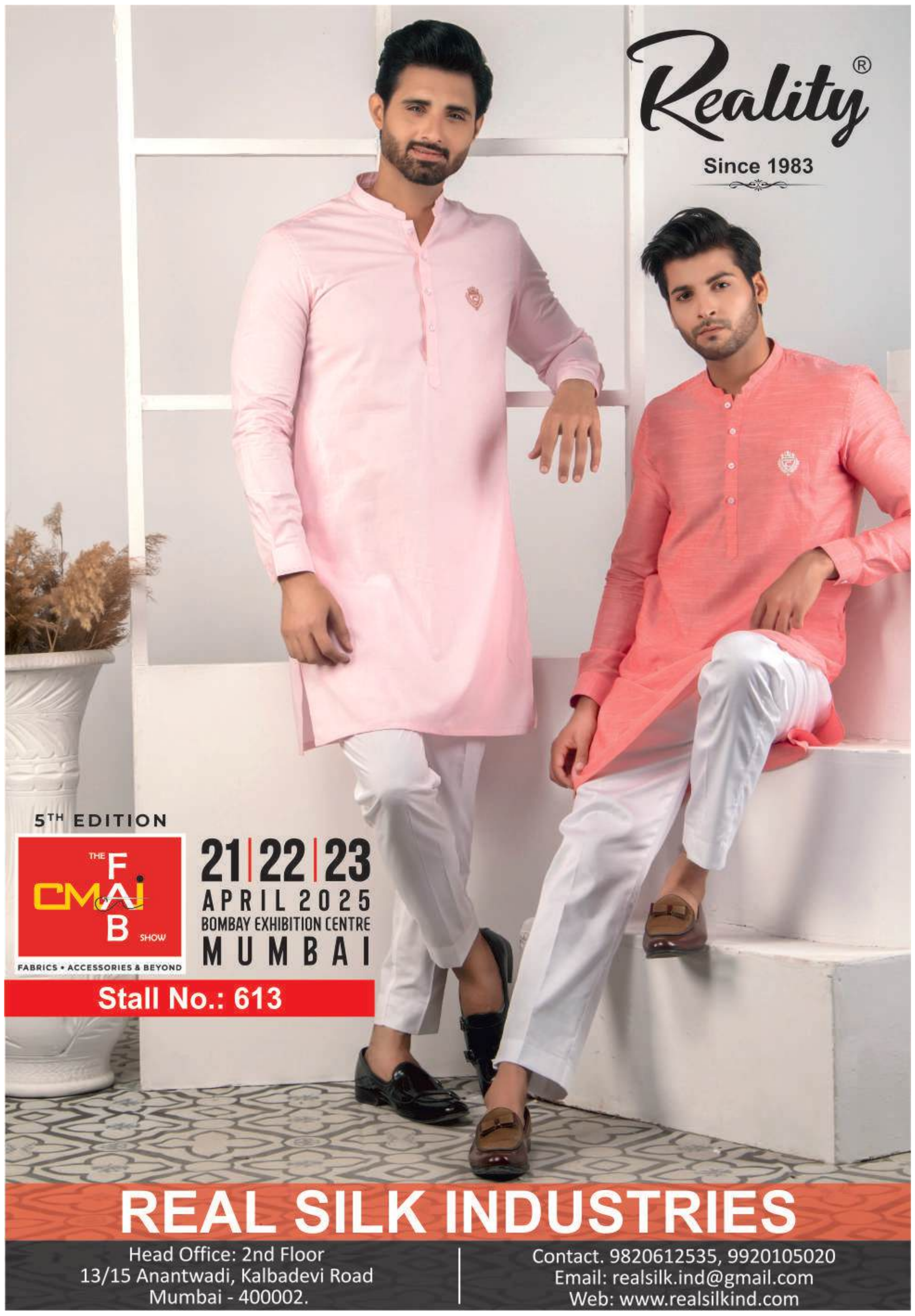

5TH EDITION THE FAB SHOW CMAI FABRICS • ACCESSORIES & BEYOND

22 अप्रैल से 6 मई 2025

टेक्सटाइल वर्ल्ड

21|22|23 APRIL 2025 BOMBAY EXHIBITION CENTRE MUMBAI

CMAI TEXTILE TRADE EDITION

रियलिटी ब्राण्ड की कुर्ता फैब्रिक में मजबूत पकड़

CMAI द्वारा आयोजित फेयर में होगा भव्य डिस्प्ले

मुम्बई/ कुर्ता फैब्रिक एवं कॉटन शर्टिंग में निरंतर सफलता के नित नए आयाम तय करते हुए रियलिटी ब्राण्ड द्वारा आगामी सीजन की विशेष तैयारियां की है। कम्पनी द्वारा हाल ही में आगामी सीजन पर फोकस करते हुए CMAI द्वारा आयोजित फैब्रिक शो में अपने उत्पादों का भव्य डिस्प्ले करने जा रही है। श्री विराट जैन एवं श्री चिंतन जैन ने बताया कि इस दौरान 58''शर्टिंग के साथ-साथ कुर्ता की विशेष आइटम तैयार की गई, जो व्यापारियों को काफी पसंद आएगी। कम्पनी द्वारा हर कलर रेंज के चार्ट तैयार किए जा रहे हैं।

आगामी CMAI फैब्रिक फेयर 2025 की विशेष तैयारियाँ

श्री विराट जैन ने बताया कि कम्पनी ने अपनी रेग्युलर क्वालिटियों के साथ-साथ आगामी सीजन की विशेष तैयारियां की है। कॉटन शर्टिंग जैकॉर्ड की रेंज, व्हाइट की रेंज में अनेक क्वालिटियां बनाई जा रही है। इन क्वालिटियों में अनेक कलर चार्ट तैयार हैं, जो व्यापारियों को खूब पसन्द आ रहे हैं। इस वर्ष कम्पनी द्वारा एथनिक की रेंज पर बहुत फोकस किया गया है। जिसमें कुर्ता क्लॉथ, जैकॉर्ड पर विशेष तैयारियां करते हुए नये-नये कलर चार्ट बाजार में पेश कर रहे, जिसे भरपूर रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा वैवाहिक सीजन के हिसाब से वाइब्रेन्ट कलर रेंज (डार्क कलर) की विस्तृत रेंज की बाजार में अच्छी डिमाण्ड बनी हुई है। फैंसी चार्ट, फ्लोरेंस कलर की विस्तृत रेंज की भी अच्छी डिस्पेच बनी है। श्री जैन ने बताया कि दीपावली की अच्छी डिस्प्ले के बाद कम्पनी ने CMAI द्वारा आयोजित फैब शो के लिए विशेष तैयारियां की है, जिससे कॉटन शर्टिंग, एथनिक वियर की सम्पूर्ण रेंज, व्हाइट कलर में 200 से ज्यादा डिजाइन, विभिन्न काउंट और ब्लेंड में रेंज उपलब्ध है।

क्वालिटी एवं गुणवत्ता के दम पर पहचान

अपनी क्वालिटियों एवं गुणवत्ता के दम पर रियलिटी ब्राण्ड की उत्पादक कम्पनी रियल सिल्क इण्डस्ट्रीज के दोनों डायरेक्टर युवा होने के साथ-साथ अपने व्यापार के प्रति काफी सहजता का भाव रखते हैं। उन्हें अपनी कम्पनी में निरन्तर नये डवलपमेण्ट हमेशा नये-नये कलर चार्ट तैयार कर भारत की तमाम मण्डियों में अपने ब्राण्ड को पहुँचाना है, साथ ही युवा सोच के साथ आगे बढ़ते हुए नित नयी ऊँचाइयों को छू रहे हैं।

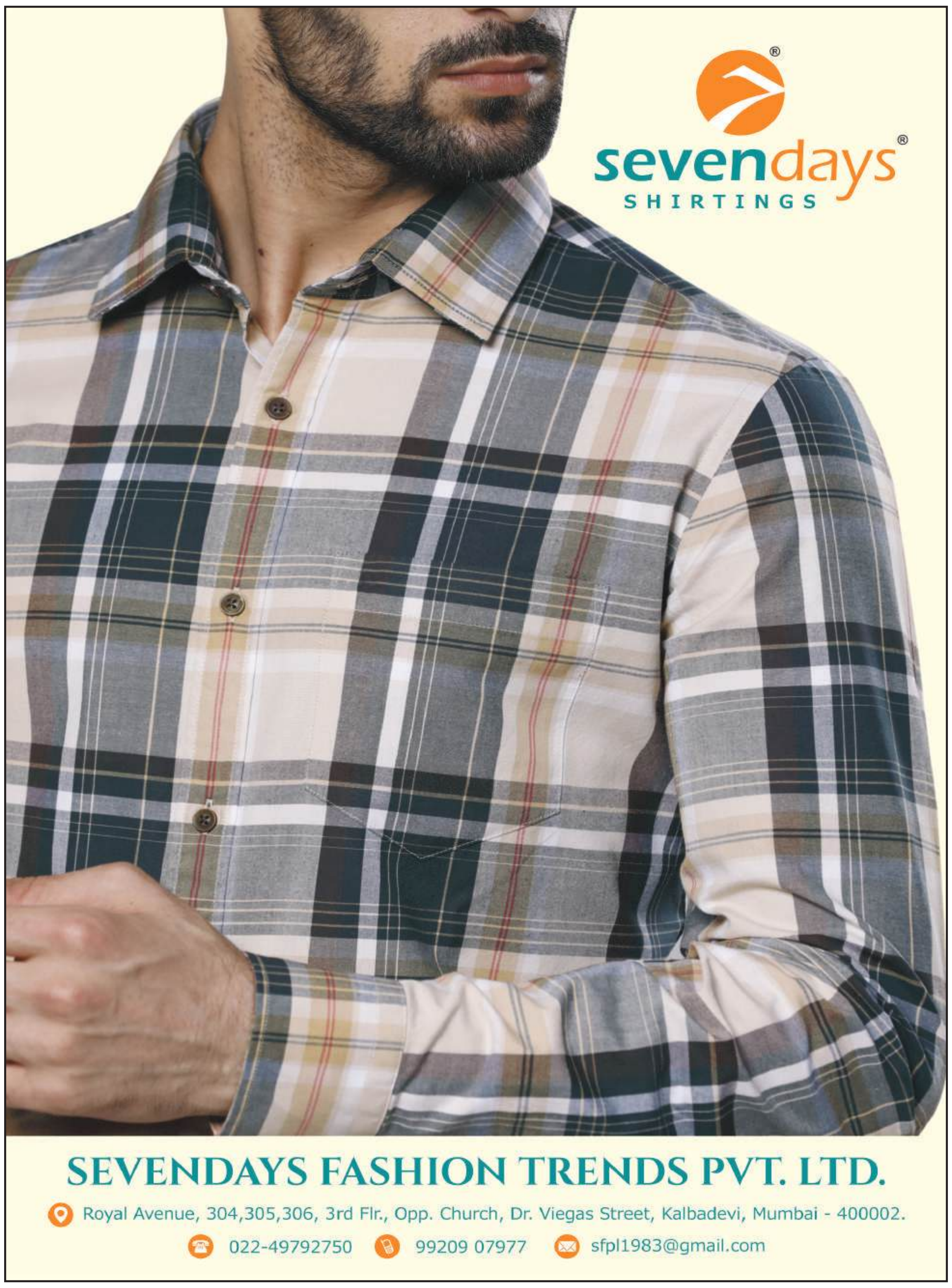

दीपावली के बाद से ही अच्छी बुकिंग यशवी क्रिएशन

शर्टिंग एवं कुर्ते की रेंज में विस्तृत डवलपमेण्ट तैयार

मुम्बई / नित नये इनोवेशन के साथ 'यशवी क्रिएशन' निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री संजय मेठानी ने बताया कि दीपावली के बाद से ही बाजार में अच्छी ग्राहकी दिखाई दे रही है। हमारे पास निरंतर अच्छे ऑर्डर्स आ रहे हैं। कम्पनी इन ऑर्डर्स को पूरा करने में जुटी है। आगे के सीजन को ध्यान में रखते हुए कम्पनी द्वारा गणपति, नवरात्रि एवं दीपावली के सीजन की तैयारियों में जुट चुकी है। साथ ही गारमेण्ट फेयर को ध्यान में रखते हुए क्वालिटी एवं डवलपमेण्ट पर फोकस कर रहे हैं, ताकि आगे का सीजन हमारे लिए काफी फायदेमंद हो। इसके लिए नयी-नयी सेंपलिंग शुरू हो चुकी है। बाहरी मण्डियों के बायर्स से मिलकर आगे क्या डवलपमेण्ट किया जाए उसके लिए तैयारियाँ हो रही है। आने वाले समय में गारमेण्ट एवं एक्सपोर्ट का सीजन अच्छा रहने का अनुमान है। लास्ट सीजन को ध्यान में रखते हुए पार्टियां काफी उत्साह से भरी हुई है। रिटेलर्स के यहाँ काफी कपड़ा कटा है और आगे आने वाले सीजन में और भी अच्छा चलने की उम्मीद है। इस सीजन में लिनन में ग्राहकी अच्छी देखी गई और आगे लिनन में अनेक डवलपमेण्ट हमारे द्वारा किए जा रहे हैं। बाम्बू, लिनन में भी काफी डवलपमेण्ट हमारे द्वारा हो रहे हैं। व्हाइट में 40 से 50 क्वालिटियाँ, पीस डाइड, लाइक्रा में अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आगे नवरात्रि एवं दीपावली के सीजन के मद्देनजर प्रिंट में अच्छी ग्राहकी होने की उम्मीद है। प्रिंट आयटम में काफी वैरायटी मिलेगी। श्री मेठानी ने बताया कि कम्पनी का ब्राण्ड नेचुरल लिनन में कुर्ता फैब्रिक डिमांड के साथ बिक रहा है। कुर्ता फैब्रिक में निरंतर अच्छी ग्राहकी देखने को मिल रही है। कुर्ता फैब्रिक में लंबे ऑर्डर्स एक्सपोर्टर्स द्वारा मिल रहे हैं। रिटेलर एवं कटपैक में कार्य करने वाले डीलर्स की नियुक्ति की जा रही है। जो भी व्यापारी हमसे जुड़ना चाहता है, वह संपर्क कर सकता है।

एक्सपोर्ट एवं गारमेण्ट से अच्छे ऑर्डर्स

श्री मेठानी ने बताया कि आज हमारे शर्टिंग फैब्रिक एवं कुर्ते की रेंज बड़े-बड़े गारमेण्ट निर्माताओं तथा एक्सपोर्ट हाउससेज से अच्छे ऑर्डर्स आ रहे हैं। आज के इस दौर में वैल्यू एडिशन का क्रेज निरंतर बढ़ता जा रहा है। हर त्योहार एवं शादी समारोह पर कुर्ते पर ज्यादा फोकस होने से मार्केट में इसकी निरंतर डिमाण्ड बनी हुई है।

व्हाइट व लिनन फैब्रिक की विस्तृत रेंज

आज हमारे द्वारा हर प्रकार की फैब्रिक रेंज तैयार की जाती है। व्हाइट शर्टिंग एवं कुर्ते की हमारे पास हमेशा डिमाण्ड बनी रहती है। इसके अलावा लिनन फैब्रिक में 44 ली, 60 ली, 80 ली में हमारी पकड़ काफी मजबूत है।

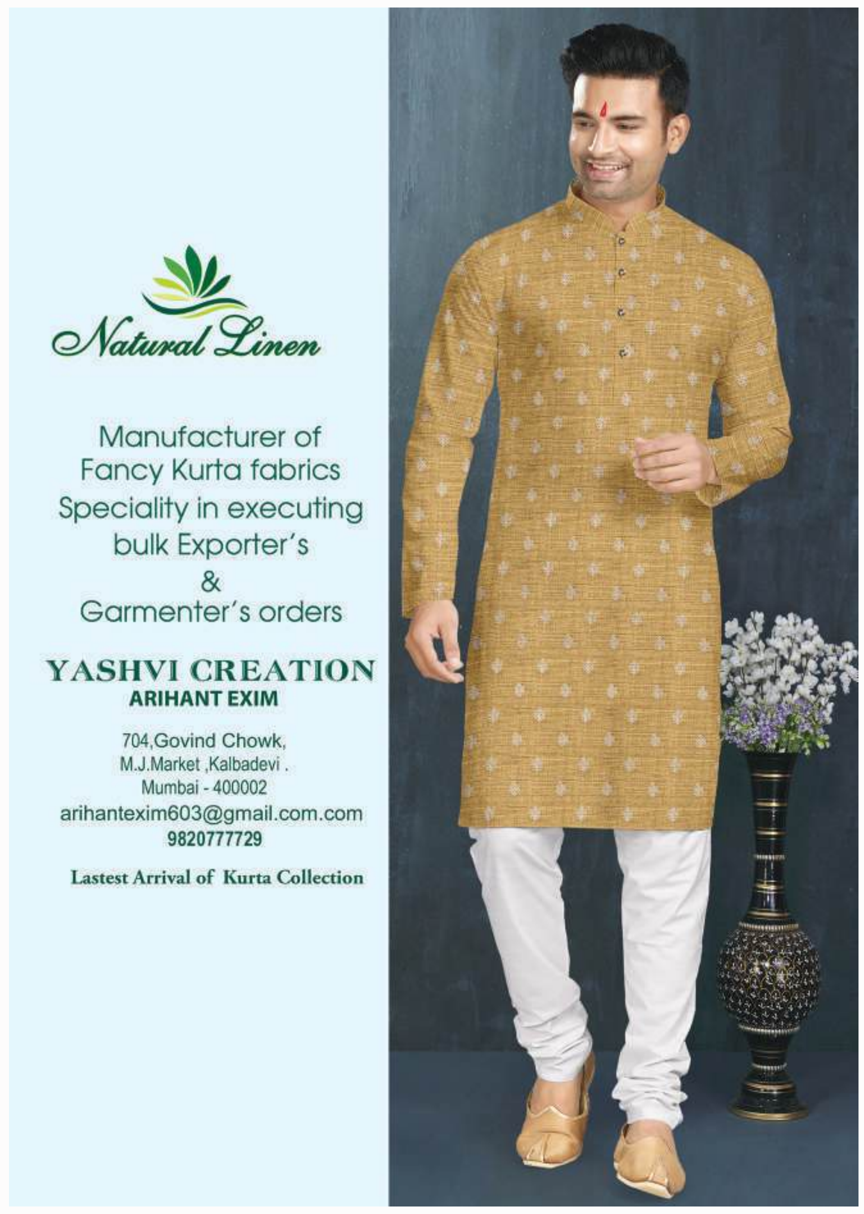

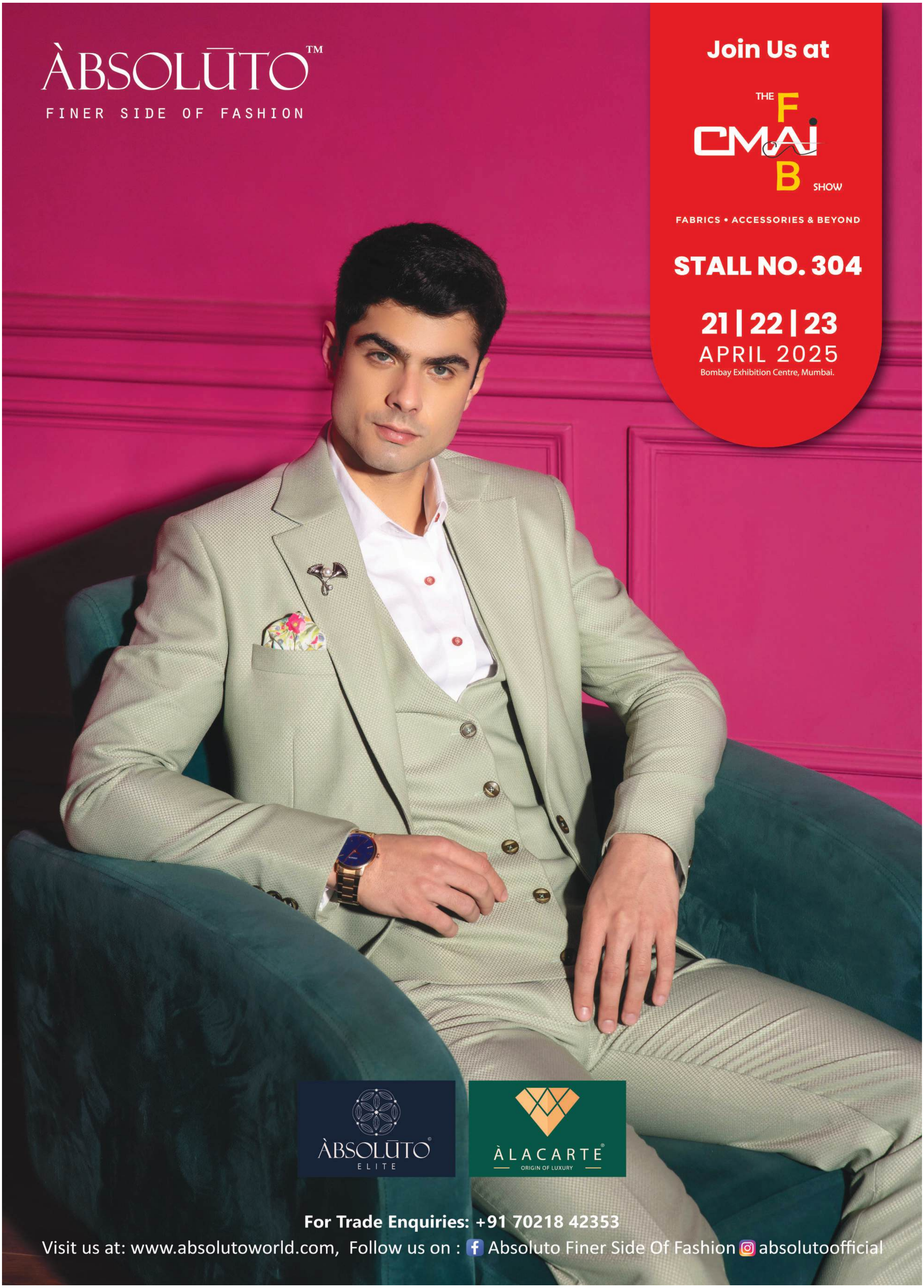
ÀBSOLŪTO™
FINER SIDE OF FASHION
Join Us at
THE F CMAI B SHOW
FABRICS • ACCESSORIES & BEYOND
STALL NO. 304
21 | 22 | 23
APRIL 2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai.
ÀBSOLŪTO
ELITE
ÀLACARTE
ORIGIN OF LUXURY
For Trade Enquiries: +91 70218 42353
Visit us at: www.absolutoworld.com, Follow us on : Absoluto Finer Side Of Fashion absolutoofficial

Simone Federico & Figli ने दिल्ली में की 'विण्टर कलेक्शन-2025' की भव्य पेशकश

LANIFICIO
Simone Federico & Figli
BIELLA
(ITALIA)
SINCE 1876

मुम्बई/ Simone Federico & Figli ने 2 से 4 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 'विण्टर-2025 कलेक्शन' की शानदार लॉन्चिंग की। इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर से आए सम्माननीय व्यापार सहयोगियों ने भाग लिया और यह कंपनी की निरंतर विकासशील यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय लिखा। समारोह की शुरुआत जबरदस्त उत्साह के साथ हुई। जिसका शुभारंभ कंपनी के श्री शैलेन्द्र पांडे (बिजनेस हेड) ने दीप प्रज्वलित कर किया, इस दौरान कंपनी की टीम सहित चैनल पार्टनर्स भी उपस्थित थे।

श्री शैलेन्द्र पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में बाजार की स्थितियाँ कठिन हैं, परंतु एक स्पष्ट दृष्टि, निरंतर प्रयास और नवाचार के माध्यम से सभी लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कंपनी किस प्रकार उत्पाद विकास, नई तकनीक और आधुनिक मशीनरी में निरंतर निवेश कर रही है, जिससे इस प्रतिष्ठित इटालियन ब्रांड की पहुँच भारतीय उपभोक्ताओं तक और अधिक सशक्त हो सके।

तत्पश्चात श्री अनिल तोतला (वाइस प्रेसिडेंट-सेल्स) ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर सहयोग से Simone Federico & Figli ब्राण्ड भारत में मजबूती से आगे बढ़ता जा रहा है।

श्री संजय शर्मा (हेड ऑफ मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन) ने उपस्थित सभी अतिथियों को पवित्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उनके जीवन में शक्ति, समृद्धि व सफलता की कामना करते हुए 'लॉन्चिंग समारोह' को सफल बनाने हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह समारोह निश्चित रूप से हम सभी के लिए प्रेरणा और विकास की दिशा में एक और सार्थक कदम साबित होगा।

इस दौरान श्री महेश धूमस (जनरल मैनेजर-सेल्स) ने उपस्थित व्यापारियों को बताया कि कंपनी द्वारा पॉलीवूल सूटिंग उत्पादों की विस्तृत रेंज प्रदर्शित की है, जिसमें विभिन्न ब्लेण्डेड अनुपात और रंगों का एक विशाल कलेक्शन शामिल है। इस कलेक्शन को व्यापारियों ने अत्यंत सराहा और आगामी सीजन्स हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये।

शानदार कलेक्शन को देखकर व्यापारियों ने बड़ी संख्या में ऑर्डर बुक किये, जो समारोह की सफलता को दर्शाता है। समारोह के दौरान भारतीय बाजार की वर्तमान और भविष्य की मांगों को ध्यान में रखते हुए उत्पादन संभावनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

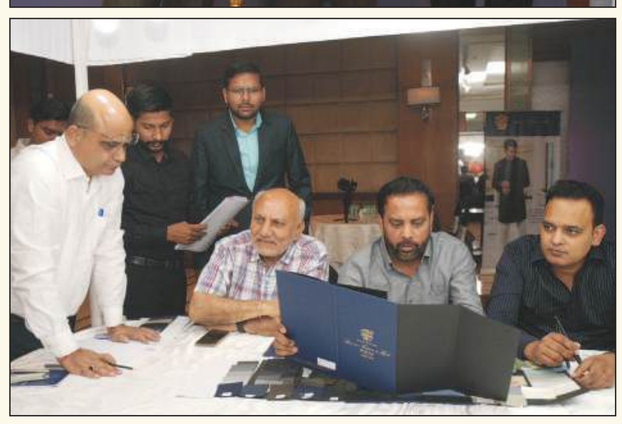

हर फेस्टिवल में एथनिक फैब्रिक की डिमांड ऊँचाई पर -श्री राकेश ओस्तवाल

मुम्बई

परिवर्तन संसार का नियम है। आज के आधुनिक दौर में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और पारिवारिक प्रोग्राम में कुर्ता फैब्रिक का दौर जबरदस्त चल रहा है। नई ट्रेंड के साथ माजीसा डिजाइनर ने कुर्ता, कोटि, इंडोवेस्टर्न, जोधपुरी के हर प्रकार के फैब्रिक की लॉञ्चिंग इस बार की है, जिसमें सभी प्रकार की मशीनरी का प्रॉडक्ट प्लेन फैब्रिक, एंब्रॉयडरी, पोजीशन प्रिंट, विस्कोस, जैकॉर्ड प्रिंट, चिफली, क्रॉस सेट, प्रोसियन प्रिंट, फाइल प्रिंट, लेजर एंब्रॉयडरी, एंबोजिंग, डिजिटल प्रिंट, सरोजकी और हैंडवर्क कई नवीन आधुनिक मशीनरी का फैब्रिक हजारों डिजाइन का समावेश है। इस बार स्पेशल खाका पीस लॉञ्च किया है, जो कि सिंगल पीस अनस्टिच आएगा। कुर्ता, कोटि कुर्ता सेट, जोधपुरी और इंडोवेस्टर्न की नई ट्रेंड के हिसाब से फैब्रिक लॉञ्च किया है। देश का भविष्य युवा वर्ग हैं, उनका विशेष ध्यान रखते हुई शानदार सभी प्रकार के फैब्रिक का समावेश किया है।

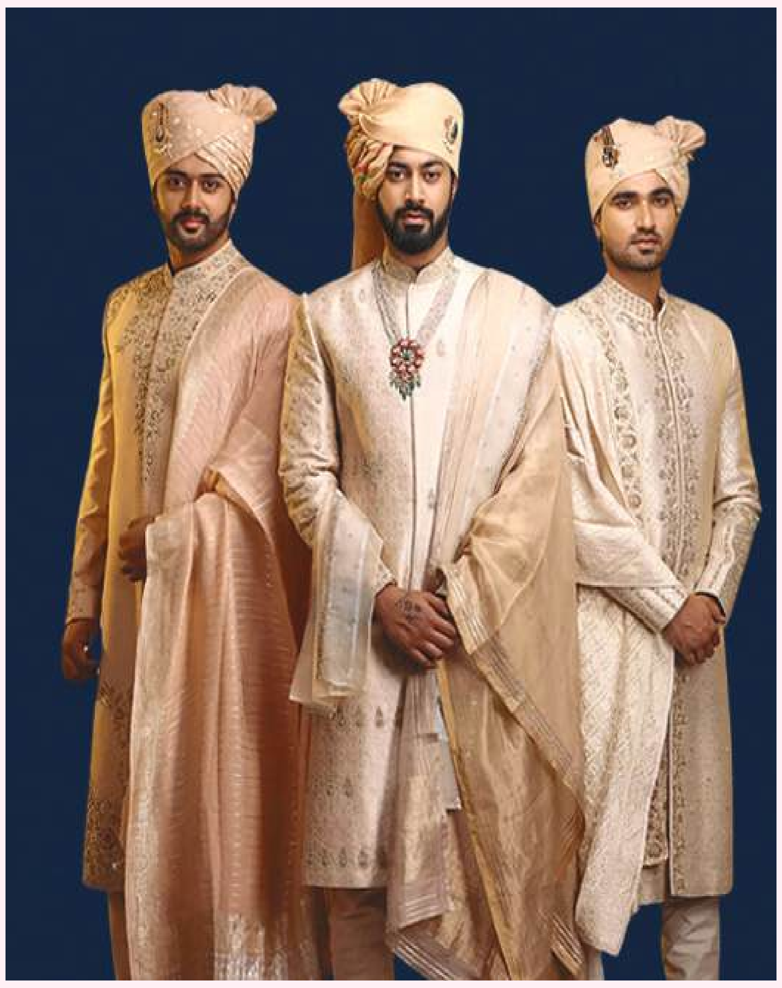

Y & Y ® TRENDY INDIAN ETHNIC WEAR

भारत भर में कॉर्पोरेट ब्राण्ड मिल और गारमेण्टर्स की अच्छी डिमांड बनी माजीसा डिजाइनर मुम्बई और उनकी ब्रांच ऑफिस ट्रेंड सूरत में भी कार्यरत है। कम्पनी का ब्राण्ड आधुनिकता के हिसाब से हर बार फैशन में नयी वैरायटी लॉञ्च करते हैं। मेन्स और किड्स एथनिक फैब्रिक की प्रतिष्ठान के डायरेक्टर श्री राकेश ओस्तवाल जी ने बताया कि भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के अभियान लोकल फॉर वोकल को विशेष ध्यान में रखकर भारत के मैनमेड फैब्रिक बना रहे हैं।

हम हमेशा भारत देश के ट्रेंड के साथ चलने का अथक प्रयास करते हैं। कठिन परिश्रम, ईमानदारी और व्यवहार से आज हमारे प्रॉडक्ट की हर जगह अच्छी मांग है। देश भर से आए व्यापारी और एजेंट ने भारी संख्या में हमारे यहाँ विजिट कर रहे हैं। विभिन्न प्रकार की वैरायटियों का शानदार रिस्पॉन्स मिला जो की अद्भुत था। मेन्स और किड्स की संपूर्ण एथनिक फैब्रिक्स की रेंज YY हाउस माजीसा डिजाइनर में देखने को भारत भर के व्यापारीजनों को मिलता हैं।

www.infinitofashion.in +91 73000 02390 \infinitofashionbrand